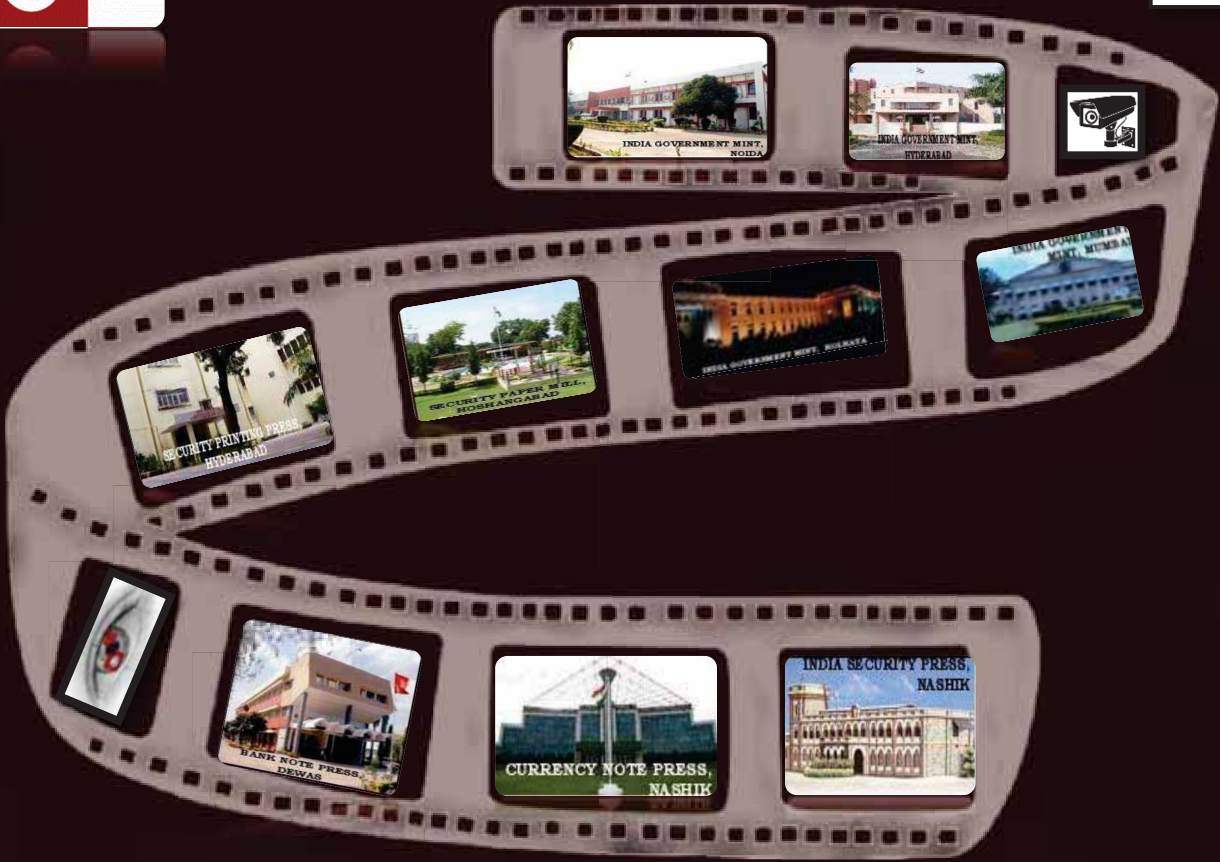

सतर्कवाणी

संस्करण VII: वर्ष 2021

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड

SECURITY PRINTING AND MINTING CORPORATION OF INDIA LIMITED

सतर्कता पत्रिका
सतर्कवाणी , संस्करण VII, 2021

संरक्षक
श्री विनय के सिंह, भा.र.से.
मुख्य सतर्कता अधिकारी

Custodian
Shri Vinay K Singh, IRS,
Chief Vigilance Officer

मुख्य संपादक
श्री सुनील तिवारी
उप मुख्य सतर्कता अधिकारी

Chief Editor
Shri Sunil Tiwari,
Dy. Chief Vigilance Officer

संपादक
श्रीमती समप्रीत कौर
कार्यालय सहायक

Editor
Ms Sampreet Kaur,
Office Assistant

DISCLAIMER

The content of this publication is only indicative and is by no means exhaustive. Nor it is intended to be a substitute for rules, procedures and existing instructions/guidelines on the subject. The provisions herein do not in any way supersede the rules & provisions of CVC/SPMCIL. The primary purpose of this publication is for reference only in SPMCIL and should not be produced in any court of law. The views expressed in the articles are of the authors in their private capacity and do not in any way represent the views of the Department.

CONTENTS

SN	PARTICULARS	PAGE NO
1	PLEDGE	3
2	सीएमडी महोदया का संदेश	5
3	मुख्य सतर्कता अधिकारी का संदेश	6
4	WHAT IS VIGILANCE ANGLE	7
5	HOW TO LODGE A COMPLAINT	7
6	DO'S & DONT'S OF LODGING A COMPLAINT	8
7	WHISTLE BLOWER COMPLAINTS	8
8	DO'S & DON'TS OF VIGILANCE (GENERAL)	9
9	INDIA'S CORRUPTION PERCEPTION INDEX (CPI) DURING LAST FIVE YEARS	10
10	AWARD WINNING ESSAY – VAW 2020	11-14
11	कविता – सतर्क भारत, समृद्ध भारत	15
12	पुरस्कृत पोस्टर (निगम मुख्यालय) – सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 2020	16
13	कविता – भ्रष्टाचार मुक्त सुनहारा भारत	17-18
14	GLIMPSES OF ACTIVITIES – WORKSHOPS CONDUCTED	19
15	ARTICLE – COUNTERFACTUAL THINKING	20
16	GUIDELINES ISSUED BY VIGILANCE DEPARTMENT DURING THE YEAR	21-24
17	लेख – बेंजामिन फ्रैंकलिन से संबंधित प्रेरक कहानी	25-26
18	पुरस्कृत पोस्टर (पी एंड टी स्कूल) – सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 2020	27
19	कविता – ईमानदारी	28
20	ARTICLE – THE MORE BEAUTIFUL MIND	29-30

SN	PARTICULARS				PAGE NO
21	कविता – प्रयास				31
22	विजेता – निबंध एवं क्वीज़ प्रतियोगिता (निगम मुख्यालय)				32
23	लेख – सतर्क भारत समृद्ध भारत				33-34
24	कविता – भ्रष्टाचार का निवारण				35-36
25	लेख – भ्रष्टाचार मुक्त भारत				37-40
26	लेख - कोविड-19, डिजिटल युग का आरोहण और दुनिया में बढ़ती तकनीकी प्रतिद्वंदिता				41-43
27	विजेता – निबंध प्रतियोगिता (पी एडं टी स्कूल)				44
28	100 PROVERBS				45-50
29	ARTICLE – MANAGEMENT LESSONS FROM SHEEMAD BHAGWAD GITA				51-54
30	OBSERVANCE OF VAW AT				55-65
	CHO	56	SPM	61	
	ISP	57	IGMK	62	
	CNP	58	IGMM	63	
	BNP	59	IGMH	64	
	SPP	60	IGMN	65	
31	NEW JOINEES IN VIGILANCE DEPARTMENT				66
32	REPATRIATION FROM VIGILANCE DEPARTMENT				67
33	VIGILANCE TEAM OF SPMCIL				
	AT CHO				68
	AT UNITS				69

* * * * *

प्रतिज्ञा

PLEDGE

मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा समाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। मेरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है।

मेरा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए।

अतः मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि :-

- जीवन के सभी क्षेत्र में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करुंगा;
- ना तो रिश्वत लूंगा और ना ही रिश्वत दूंगा;
- सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करुंगा;
- जनहित में कार्य करुंगा;
- अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करुंगा;
- भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेन्सी को दूंगा ।

I believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. I believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

I realize that every citizen should be vigilant and commit to highest standards of honesty and integrity at all times and support the fight against corruption.

I, therefore, pledge:

- To follow probity and rule of law in all walks of life;
- To neither take nor offer bribe;
- To perform all tasks in an honest and transparent manner;
- To act in public interest;
- To leady by example exhibiting integrity in personal behaviour;
- To report any incident of corruption to the appropriate agency.

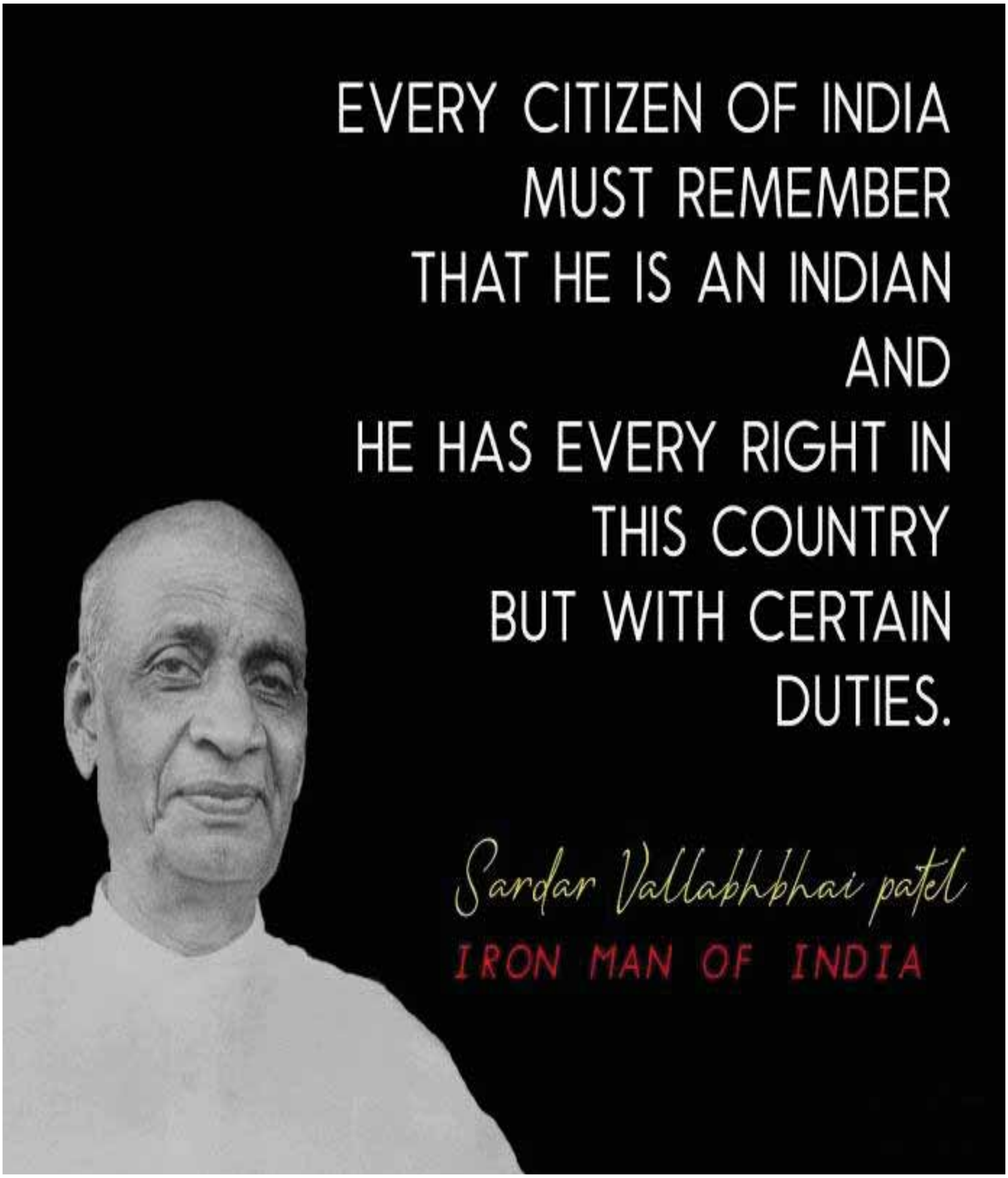
EVERY CITIZEN OF INDIA
MUST REMEMBER
THAT HE IS AN INDIAN
AND
HE HAS EVERY RIGHT IN
THIS COUNTRY
BUT WITH CERTAIN
DUTIES.
Sardar Vallabhbhai patel
IRON MAN OF INDIA

सीएमडी महोदया का संदेश

तृप्ति पी. घोष
TRIPTI P. GHOSH
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
मिनिरत्न श्रेणी–I, सीपीएसई
(भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन)
Security Printing and Minting Corporation of India Ltd.
Miniratna Category-I, CPSE
(Wholly owned by Government of India)

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार एसपीएमसीआईएल में देश की आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित **'स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता'** विषय के साथ **दिनांक 26.10.2021 से 01.11.2021 तक सतर्कता सप्ताह** का आयोजन किया जा रहा है।

कोरोना काल मे आपदा को अवसर मे बदलने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश-वासियों से आह्वान किया है। संकट की इस घड़ी मे सभी को आत्मनिर्भर बन राष्ट्र की सेवा और तरक्की में हर किसी को योगदान देने की अपील की है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है भारत के संसाधनों से बनी वस्तुओं को भारत मे ही उपयोग में लाना है। भारत प्राचीन काल से ही संसाधनों का देश रहा है। आजादी के बाद भारत की गरीबी और दूर्भिक्ष को देखते हुए महात्मा गांधी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था।

'स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता' उद्देश्य की पूर्ति के लिए एसपीएमसीआईएल में उत्पादन गतिविधियों में स्वदेशीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वरिष्ठतम स्तर पर नई प्रकियाओं, पहलों तथा प्रयासों को प्रमुखता देकर आदर्श स्थापित किए जाएं तथा कार्यकलापों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण के लिए प्रयास किए जाएं।

सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित सतर्कता सप्ताह में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन निर्धारित किया गया है जिसमें **'सतर्कवाणी'** का प्रकाशन प्रमुख है। इस पत्रिका में सतर्कता विभाग की गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी के साथ-साथ कर्मचारियों की रचनात्मक कृतियों को शामिल किया गया है। मुझे आशा है कि सतर्कता विभाग इस विषय के प्रति कर्मचारियों को पूर्णत: जागरूक करने में सफल होगा। मैं सतर्कता सप्ताह के सफल आयोजन तथा पत्रिका के रोचक होने के लिए शुभकामनाएँ देती हूँ।

तृप्ति घोष
(तृप्ति पी. घोष)

16वी मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली–110001
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi - 110001
फोन / Tel: +91-11-23701220, 43582220, फैक्स / Fax :+91-11-43582276
ई–मेल / E-mail : cmd@spmcil.com, वेब / Web : www.spmcil.com
CIN : U22213DL2006GOI144763

मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय का संदेश

विनय कुमार सिंह, भा.रा.से.
Vinay K. Singh, I.R.S.
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Chief Vigilance Officer

सत्यमेव जयते

भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
(वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
Security Printing and Minting Corporation of India Ltd.
(Under Ministry of Finance, Govt. of India)

संदेश

प्रत्येक वर्ष सर्व-सत्यनिष्ठ महापुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह (VAW) मनाया जाता है। वर्ष 2022 तक अभिनव भारत के निर्माण की भारत सरकार की परिकल्पना के अनुसरण में, केंद्रीय सतर्कता आयोग ने इस वर्ष "भारतीय आजादी की 75वीं वर्षगाठ: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता" विषय पर दिनांक 26.10.2021 से 01.11.2021तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन का एक प्रमुख उद्देश्य भ्रष्टाचार की रोकथाम और इसके खिलाफ लड़ाई में सभी हितधारकों को संगठित कर भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों और गंभीरता तथा इसके खतरे के बारे में जनजागरूकता बढ़ाना है।

इस सप्ताह के दौरान, केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, गृहप्रंबधन गतिविधियों पर जोर दिया जाएगा जिसमें लंबित मामलों का निपटान किया जाएगा। इसके अलावा सप्ताह के दौरान जागरूकता कार्यक्रम, व्याख्यान, कार्यशाला, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। एसपीएमसीआईएल सतर्कता विभाग इस सप्ताह के दौरान अधिकारियों तथा कर्मचारियों की सृजनात्मक ऊर्जा को मूर्त रूप देने एवं उनकी साहित्यिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक गृहपत्रिका "सतर्कवाणी" भी प्रकाशित की जा रही है। मैं पत्रिका की सफलता की कामना करता हूँ।

सतत सतर्कता के साथ सत्यनिष्ठा के मूल्य की पूर्नस्थापना की शुभकामनाओं सहित।

सादर,

(विनय कुमार सिंह)

16 वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली - 110 001
16th Floor, Jawahar Vyapar Bhawan, Janpath, New Delhi-110 001
फोन / Tel. : 91-11-43582260 फैक्स / Fax : 91-11-43582202, ई-मेल / E-mail : cvo@spmcil.com
वैब / Web : www.spmcil.com
CIN : U22213DL2006GOI144763

WHAT IS VIGILANCE ANGLE?

- ❖ **Demanding and/or accepting gratification other than legal remuneration.**
- ❖ **Obtaining valuable thing, without consideration or with inadequate consideration from a person with whom he has or likely to have official dealings.**
- ❖ **Obtaining for himself or any other person any valuable thing or pecuniary advantage by corrupt or illegal means or be abusing his position as a public servant.**
- ❖ **Possession of assets disproportionate to his known sources of income.**
- ❖ **Cases of misappropriation, forgery or cheating or other similar criminal offences.**
- ❖ **Gross or willful negligence, reckless decision making, blatant violation of system and procedures and excessive discretion.**
- ❖ **Any undue/unjustified delay in the disposal of a case, perceived after considering all relevant factors.**

LODGING OF COMPLAINTS DO's & DONT's

DO's	DONT's
Complaint must contain factual details, verifiable facts and related.	Complaint should not be vague or contain sweeping general allegations.
Complaints sent through email should contain complete postal address (mobile/ telephone number, if any) of the sender.	Redressal of grievances should not be the focus of the complaints.
If the complaint is received, against e-auction/e-tender, the matter would be investigated; however it would not interfere in the e-auction process as such.	Anonymous/ Pseudonymous complaints should not be entertained.

WHISTLE BLOWER COMPLAINTS

If a complainant while exposing a case of corruption wants his identity to be kept secret, he/she should lodge a complaint under Public Interest Disclosure and Protection of Informers Resolution (PIDPIR) – popularly known as Whistle Blower Provision.

- Complaint under "Public Interest Disclosure and Protection of Informer" Resolution can be made only by post. The envelope should be superscribed "PIDPI" or "Whistle Blower".

  Complaints under PIDPI should contain name and complete postal address of the complainant. Such details shall be kept confidential by the authority

- CVC is the designated authority to receive PIDPI complaints. Such complaints are to be addressed to

  Secretary, CVC
  Satarkata Bhavan , A-Block
  GPO Complex , INA
  New Delhi - 110 023
  Whistle blower complaints can also be addressed to CVOs of respective Ministry.

DO's & DONT's (GENERAL)

DO's	DONT's
Maintain Integrity and devotion to duty	Not recording the attendance.
Be honest, impartial and punctual.	Leaving office premises without permission
Be conversant with rules and regulations	Delay in processing of files/papers
Use discretion properly	Not putting a date under signature
Be dispassionate while taking decisions	Misusing staff cars/vehicle, workmen, material, etc.
Fill up the guest house occupancy registers & indicate whether on duty/leave	Misuse of identity card, passes, etc.
Observe safety instructions	Give/take Bribe.
Timely payment of vendor bills, etc.	Give any statements to the press, unless authorized.

INDIA'S CORRUPTION PERCEPTION INDEX (CPI) DURING LAST FIVE YEARS

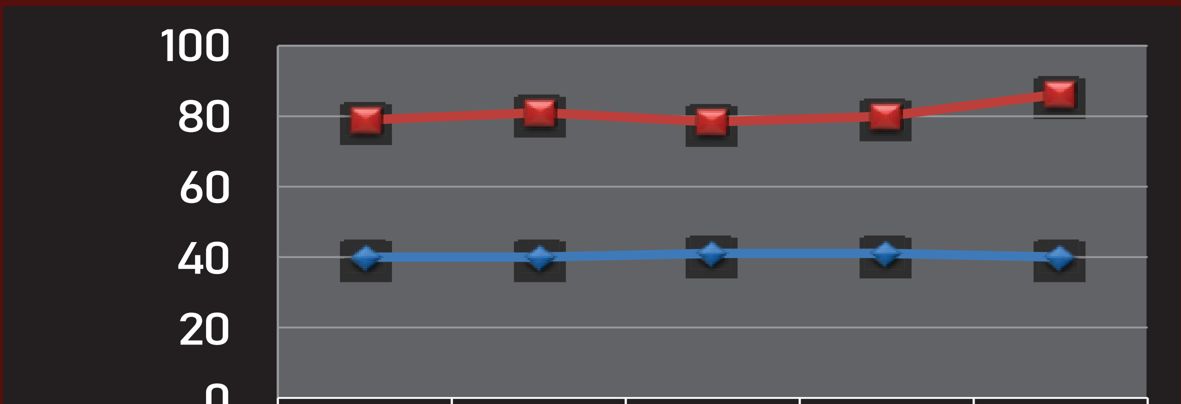

	2016	2017	2018	2019	2020
Score	40	40	41	41	40
Rank	79	81	78	80	86

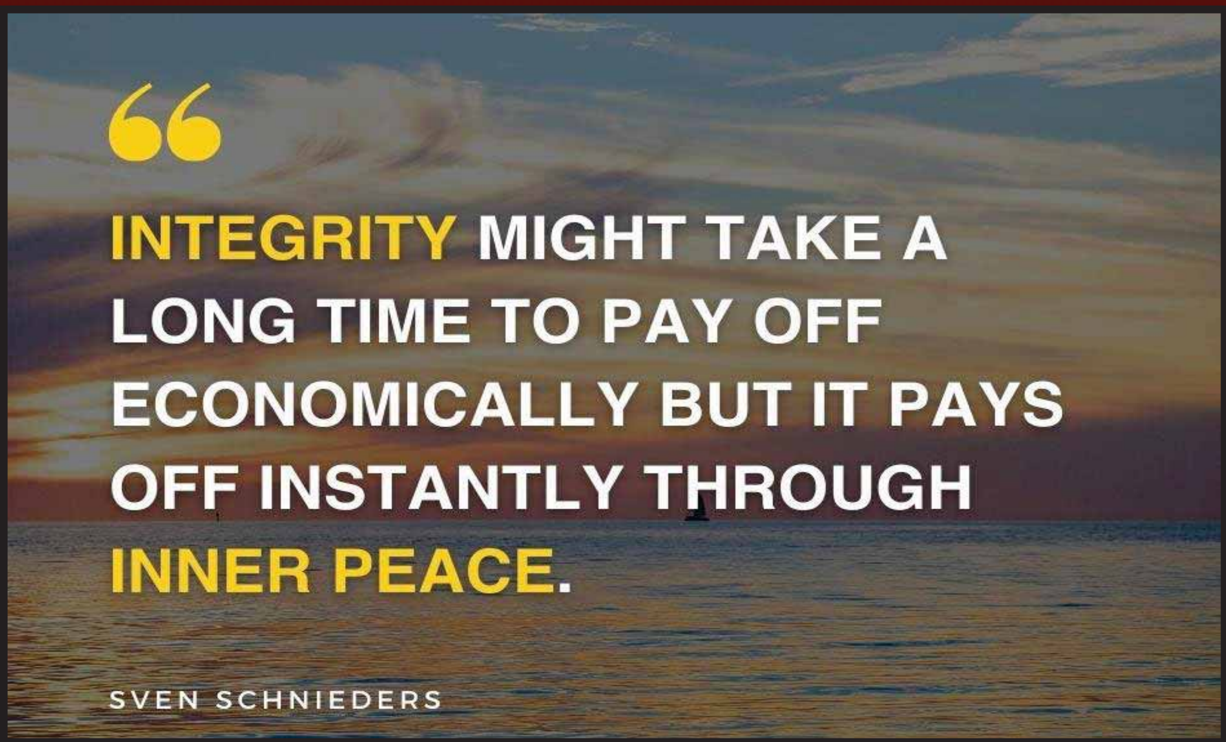

AWARD WINNING ESSAY OF VAW- 2020

सतर्क भारत – समृद्ध भारत

सचिन शर्मा

कनिष्ठ कार्यालय सहायक,
निगम मख्यालय

प्रस्तावना:- “एक कदम में चलू, एक कदम तू चल,
जाति–धर्म के पथ को भूलकर,
एक कदम चल कर देख सतर्कता के उसुल पर”!

सतर्क भारत-समृद्ध भारत का अर्थ है कि भारत जितना अपने अधिकारो के लिए सतर्क रहेगा, उतना ही भारत समृद्धि करेगा!

भारत एक लोकतान्त्रिक देश है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को सभी प्रकार कि गतिविधियो से संबन्धित सूचनाएं प्राप्त करने का अधिकार है ! परंतु वर्तमान समय मे कुछ लोग लालच मे आकर देश कि जड़ों को खोखला कर रहे हैं ! वे जहाँ रहते हैं, जहाँ खाते हैं, जिस हवा मे सांस लेते हैं, वही मातृभूमि को बदले में आंतकवाद, भ्रष्टाचार और काला धन जैसी बुराइयाँ दे रहे हैं !

“जंगल छोड़ भेड़िये शहरो मे आने लगे,
सुंदर लिबास में शरीफो को लुभाने लगे,
ख्वाब बेचने का व्यापार चल पड़ा,
लालच में हर कोई मचल पड़ा”!

अत: सतर्कता का अर्थ विशेष रूप से कमियों तथा सामान्य रूप से त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित करना है। क्योंकि सतर्कता का अभाव हानि, अपव्यय तथा आर्थिक पतन का कारण बनता है।

सतर्क भारत-समृद्ध भारत के निर्माण मे केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका

सतर्क भारत-समृद्ध भारत के निर्माण मे केंद्रीय सतर्कता आयोग की अहम भूमिका होती है। देश से भ्रष्टाचार को मिटाने तथा प्रशासन मे ईमानदारी को सुनिश्चित करने के लिए देश में केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम 2003 में लाया गया। इसी के तहत प्रत्येक वर्ष अक्टूबर मास के अंतिम सप्ताह को "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" के रूप मे मनाया जाता है!

आज भारत में भ्रष्टाचार जैसे बहुत सारी कुरीतियों ने जन्म ले लिया है! जिसका एकमात्र निवारण सतर्कता (Vigilance) ही है! महात्मा गांधी ने एक बार अपने भाषण में कहा था कि रिश्वत लेना अन्याय है परंतु आज के दौर में लोगो ने उसे अन्य आय के रूप में समझ लिया है।

भारत को सतर्क तथा समृद्ध बनाने के लिए आवश्यक कदम:-

भारत को सतर्क एव समृद्ध बनाने के लिए सर्वप्रथम आवश्यकता है कि प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारो के लिए आवाज़ उठाये । वह न तो स्वयं गलत करे और अगर कही कुछ गलत होता दिखे, तो उसका विरोध करे, क्योकि भारत एक ऐसा देश है जहां जनता का, जनता के लिए तथा जनता के द्वारा शासन चलता है।

इतिहास गवाह है जब-जब भारत में बुराई रूपी रावण ने जन्म लिया तब-तब राम ने अवतार लेकर उसका संहार किया। आज वहीं रावण देश में आतंकवाद, कालाधन के रूप में फैल चुका है!

"अब अपनानी होगी हर युक्ति
भारत को दिलानी होगी भ्रष्टाचार से मुक्ति"

कई बार यह देखा गया है यदि किसी व्यक्ति के साथ भ्रष्टाचार होता है तो उन्हें समझ नहीं आता कि वे क्या करे, कहाँ शिकायत करे! ऐसे में वे भ्रष्टाचार करने वाले व्यक्ति के संपर्क मे आ जाते हैं । इसलिए यह बेहद जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति भ्रष्टाचार के प्रति सतर्क रहे। हमारी सतर्कता ही हमारे देश को समृद्ध बनाती है!

भारत को सतर्क एव समृद्ध बनाने कि आवश्यकता क्यों?

भारत को सतर्क एव समृद्ध बनाना सदैव से ही भारत का लक्ष्य रहा है! आज भारत के साथ बहुत सारी सकारात्मक परिस्थितियां है और विश्व के सभी बड़े बड़े देशो ने भारत को सतर्कता और समृद्धि का लोहा भी माना है।

वैश्विक महामारी **Covid** -19 के दौरान भारत कि वैश्विक आपूर्ति श्रंखला प्रभावित हुई! परंतु भारत ने अपनी सतर्कता तथा दूसरे देशों की सीख से दूसरे होने वाले घातक परिणामो से पहले ही इस पर काबू पा लिया।

दूसरी ओर भारत चीन सीमा पर हुई हिंसक झड़प के कारण चीन के साथ अच्छे संबंध बनाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। चीन ने अपने सैन्य तथा वित्तीय ताकत के जरिए भारत के बहुत से पड़ोसी देशो के साथ अपने अच्छे संबंध बना लिए है। इसी को ध्यान मे रखते हुए भारत ने अमेरिका, रूस, इज़राइल देशो से पहले ही सभी हथियार, लड़ाकू विमान की ख़रीदारी शुरू कर दी!

अत: ये सब चीज़े दर्शाते हैं कि आज हमारा भारत इन सब चीज़ों को लेकर कितना सतर्क है! क्योकि भारत की सतर्कता ही उसकी समृद्धि सुनिश्चित करेगी।

दूसरी ओर किसी भी देश के लिए विकास का इंजन उस देश का विनिर्माण का क्षेत्र होता है और आज भारत Make in India जैसे इनिशियोटिव के रूप मे कार्य कर रहा है! इसी को ध्यान मे रखते हुए जापानी विश्लेषण द्वारा भारत के लिए कहा गया है!

“This is the beginning of big bang of India”

उपसंहार:- किसी भी समाज मे भ्रष्टाचार उस दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे उसकी जड़ों को खोखला कर देती है और यदि जड़े ही खोखली हो जाएंगी तो समाज किसके सहारे खड़ा होगा।

एक पुरानी कहावत है "यदि सत्ता भ्रष्ट होती है तो पूर्ण सत्ता पूर्ण रूप से भ्रष्ट होती है! इसलिए सत्ता का विकेन्द्रीकरण अति आवश्यक है! भारत को सतर्क एव समृद्ध बनाने के लिए आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति प्रण ले कि वह न तो गलत करेगा और न ही गलत होने देगा। तभी भारत कोहिनूर हीरे कि भांति सर्वश्रेष्ठ पद पर चमकता रहेगा।

"एक स्वप्न देखा था कल रात,
सतर्क भारत हो समृद्ध, विचार,
न हो भ्रष्टाचार, न हो कोई अभिशाप
सोने की चिड़िया बने, मेरा भारत यह फिर से आज"

* * * * *

POSTERS OF VAW - 2020

MADE BY SH NAVEEN DOGRA, OA (HR)

MADE BY SMT GUNJAN SINGLA, MANAGER (F&A)

कविता - "सतर्क भारत- समृद्ध भारत"

डॉ. घनश्याम जारेड़ा

प्रबंधक (सतर्कता),
बै.नो.मु.-देवास/
प्र.का.का.-होशंगाबाद

"सतर्क भारत - समृद्ध भारत",
आओ मिलकर बनाएं एक सशक्त भारत ।
यह एक ज़िम्मेदारी है,
जिसे हमें हर पल निभाना है ।।

सतर्कता की ज्योत,
हर व्यक्ति में जलाना है ।।
कुछ नहीं मुश्किल,
बस संकल्पित अब होना है ।
साथ मिलकर हमें ही तो
"सतर्क भारत - समृद्ध भारत" बनाना है ।।

पुनः चल पड़ा है,
राष्ट्र अपना विश्व गुरु होने के पथ पर ।
"सतर्क भारत - समृद्ध भारत" का ध्वज,
लहराना है उस पथ पर ।।

प्रण पूर्वक इसे निभाकर,
स्वर्णिम भविष्य बनाना है ।
साथ मिलकर हमें ही तो,
"सतर्क भारत - समृद्ध भारत" बनाना है ।।

आज पूरे विश्व में, युवा भारत से हम
विख्यात है ।
सत्यनिष्ठा ईमानदारी जागरुकता इस
संस्कृति मे व्याप्त है ।।

राष्ट्र भक्ति से कम नहीं,
ये बात हर पीढ़ी को बताना है ।
साथ मिलकर हमे ही तो,
"सतर्क भारत - समृद्ध भारत" बनाना है ।।

* * * * *

पुरस्कृत पोस्टर- सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 2020

प्रथम विजेता-
श्रीमती अमृता यादव
उप महाप्रबंधक (आई.टी.)

द्वितीय विजेता-
श्रीमती नीता मिश्रा
उप महाप्रबंधक
(आई.टी.)

तृतीय विजेता-
श्री सुदेश पवार
प्रबंधक (तक. स.)

* * * * *

कविता - भ्रष्टाचार मुक्त सुनहरा भारत

अंजन पाठक

पर्यवेक्षक (सतर्कता),
भारत सरकार टकसाल,
कोलकाता

भ्रष्टाचार भारत की एक बड़ी ही कठिन समस्या है,
जिसका उपचार मेरे प्यारे देशवासी को ही करना है।
कपटता और बेईमानी का जो यह दौर चल रहा है,
भारत का नाम पूरे विश्व में नीचे की ओर धकेल रहा है।

अनैतिकता ऐसा घुलमिल गया है रोज़मर्रा के जीवन में,
मुश्किल है बचके रहना इस बढ़ते भ्रष्टाचारों से।
भ्रष्ट आचरण नागरिकों का देश के लिए है भयंकर श्राप,
देश से गद्दारी करनेवालों को नहीं किया जाएगा माफ।
सतर्क हो के कदम उठाओ यही है एकमात्र उपाय,
सत्य और निष्ठा के संग जीवन को करना होगा व्यय।

ईमानदारी एक मंत्र है ऐसा जो लालसा का नाश करें,
चरित्र बलिष्ठ करके मनुष्य को अच्छा इंसान बनाएँ।
जिम्मेदार नागरिक बनो तो समृद्ध होगा यह पावनधाम,
मातृभूमि के प्रति कर्तव्य पालन करें देश के प्रत्येक आवाम।

ना भूलो उन बलिदानों को जिन्होंने अपने प्राण दिये,
दो सौ साल की गुलामी मुक्त यह स्वदेश प्रदान किये
सीमा पर जवान शहीद होते हैं आज भी भारत के,
उनको कलंकित मत करो अपने ही कोई हीन कर्म से।

राष्ट्रधर्म का पालन कर इतना ही सुनिश्चित करें,
यह प्यारा भूभाग हमारा जगभर में उजियारा रहे।
भ्रष्टाचार मुक्त सुनहरा भारत का निर्माण ये कसम खाते हैं हम,
ईश्वर से प्रार्थना है इतना कि फिर से हो इस मिट्टी में ही जनम।

* * * * *

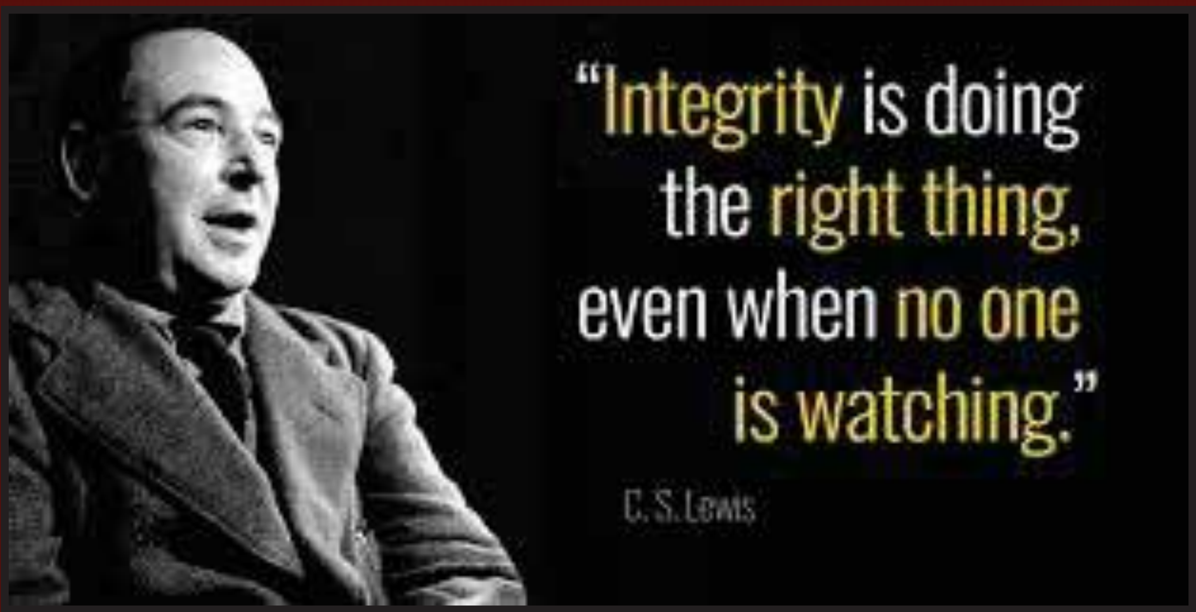

GLIMPSES OF ACTIVITIES – WORKSHOPS

'निवारक सतर्कता' के विषय पर व्याख्यान

'लैंगिक संवेदीकरण' के विषय पर व्याख्यान

* * * * *

ARTICLE - COUNTERFACTUAL THINKING

Sriram Rajagopalan

Sr. Supervisor (Control)
CNP, Nashik

Have you noticed that a bronze medalist is generally more happy than a silver medalist at the end of the game. It is not incidental finding but proven fact in many research studies after studying reactions of silver medalists vs bronze medalists! Ideally, a silver medalist should be more happy than the bronze. But, human mind does not work like mathematics.

This happens because of phenomenon of counterfactual thinking. A concept in psychology in which there is human tendency to create possible alternatives to life events that has already happened, that would be contrary to what happened.

Silver medalist thinks, "Oh I could not win the gold medal. "Bronze medalist thinks, "At least I got a medal." "Silver medal is won after losing, but Bronze medal is won after Winning."

This happens in life also, we do not appreciate what we have but feel sad with what we do not have. Let us be grateful for our blessing, they far outweigh our problems if we start counting.

"Life is after all full of choices, do always count your blessings to stay positive & motivated.

THINK AGAIN!!

* * * * *

GUIDELINES ISSUED BY VIGILANCE DEPARTMENT

Vigilance Department of SPMCIL has issued twelve circulars from the period September, 2020 to September, 2021; details of which are elaborated as under:

a) **Circular No 10/20**: Procuring various items, services related to machines on PAC/Nomination basis by directly placing order to Indian agent-reg: -

Following important aspects are to be taken into account while considering Indian Agents regarding PAC/Nomination basis procurement placing order on Indian agent:

- 'Foreign Principal's proforma invoice indicating the commission payable to the Indian Agent, nature of after sales service to be rendered by the Indian Agent'
- 'Copy of the agency agreement with the foreign principal and the precise relationship between them and their mutual interest in the business'.
- 'The enlistment of the Indian Agent with Director General of Supplies & Disposals under the Compulsory Registration Scheme of Ministry of Finance'.

A circular has been issued in this regard vide circular no 10/20 directing all concerned to follow the above guidelines while procuring various spares/items, services related to machines on PAC / Nomination basis.

b) **Circular No 11/20**: Completion of disciplinary proceedings through video conferencing in the wake of COVID-19 pandemic –reg: -

Copy of guidelines issued by Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, Department of Personnel & Training was circulated to all concerned wherein Ministry has directed that due to outbreak of Corona Virus (Covid -19), the Departmental Proceedings need not to be delayed. The same may be conducted with the aid of Video Conferencing

-Contd at Page 2-

-Guidelines Contd.-

c) **Circular No 12/20**: Uploading of PAC/Nomination tenders on portal – reg: -

A circular no 12/20 has been issued to all concerned to upload all Tender Enquiries, Requests for proposals, request for Expressions of Interest, notice for pre-qualification/registration or any other notice inviting bids or proposals in any form whether they are advertised, issued to limited number of parties or to a single party.

d) **Circular No 01/21**: Not providing the yearly statement of stocks during verification: -

During Annual Physical Verification of the stocks held by the units, it was found that in compliances of Vigilance Department letter dated 23.03.2018 (copy enclosed) regarding the yearly statements containing information of opening Balance, Total Quantity of raw material purchased during the year, total quantity of finished goods product made/output, total quantity of wastage and closing balance, etc., units are not providing and/or providing the wrong information in this regard. In the absence of this information, it is hard to determine the actual stock position with respect to stock offered for verification. Therefore, not providing the said information during forthcoming verification will be viewed as a serious lapse at that part of the unitIn this regard, all unit heads/CGMs are advised to ensure the compliance of the above from forthcoming APVs.

e) **Circular No 02/21**: Participation in tender opening process in unit premises by firm representative due to Corona – reg.: -

It has come to notice of CVO that one of the units has not allowed firm's representative to enter into unit premises to participate in bid opening process due to COVID-19 precautions. In this regard, it is suggested that in this scenario firms may be allowed to participate in bid opening process though video conferencing which will enable him not only to virtually participate in the bid opening but also unit will maintain the COVID-19 precautions.

-Contd at Page 3-

-Guidelines Contd.-

f) **Circular No 03/21**: Non-presence of members of Bid Opening Committee: -

It has come to the notice of Competent Authority that members of bid opening committee are not being present or left the process of bid opening in mid-way. Competent Authority has viewed the lapse seriously because the absence of any of the member of bid opening committee during the bid opening process shows the lack of seriousness and puts a question mark on transparency of the process. Unit should ensure the compliances of guidelines mentioned in SPMCIL Procurement Manual in this regard. Further for better transparency, it has suggested that the process of bid opening may be held under the surveillance of CCTV Camera.

g) **Circular No 04/21**: Transparency in Works/ Purchase/ Consultancy contracts awarded on nomination basis – regarding: -

Copy of guidelines issued by Central Vigilance Commission was circulated to all concerned wherein Commission has re-iterated its earlier issued guidelines and has directed to post the details of tenders issued on nomination basis on the website of organization concerned.

h) **Circular No 05/21**: Warning signals in documents for Cartel formation - reg: -

During CTE type inspection of a tender and scrutiny of complaints, it is observed that two or more firms having same address/contact number/email-id and in a same line of business having same proprietor are not only participating in the same tender and quoting for the bid but also happens to be successful bidder in that particular tender and this has happened on many occasions. In view of this, clarification has been taken by Vigilance Department from Competition Commission of India. In response CCI has provided clarification which was circulated to all concerned.

-Contd at Page 4-

-Guidelines Contd.-

i) **Circular No 06/21**: Central Vigilance Commission Instructions on procedure for offering/accepting post retirement contractual employments/assignment or consultancy etc.: -

Copy of guidelines issued by Central Vigilance Commission was circulated to all concerned wherein commission has defined a procedure before engaging a retired government official on contractual/ consultancy basis. Further, Commission has also asked to formulate appropriate rules/ guidelines for its employees to ensure that post retirement, cooling off period is mandatorily observed by them before accepting any offer from private sector entities.

j) **Circular No 07/21**: Central Vigilance Commission Instructions on Adoption of Integrity pact – Revised Standard Operating Procedure – regarding: -

Copy of guidelines issued by Central Vigilance Commission was circulated to all concerned wherein Commission has enclosed revised SOP for adoption of integrity pact which would replace the earlier SOP issued by Commission's earlier circular No 02/01/2017 dated 13.01.2017.

k) **Circular No 08/21**: Central Vigilance Commission Instructions on procedure for offering/accepting post retirement contractual employments/assignment or consultancy etc.: -

Copy of guidelines issued by Central Vigilance Commission was circulated to all concerned wherein commission has informed that guidelines issued vide circular dated 03.06.2021 on the subject matter are kept in abeyance, till further orders. In compliance, Vigilance Department circular no 06/21 is kept in abeyance till further orders.

l) **Circular No 09/21**: Products to be offered for verification during APV-reg: -

During APV of one of the units, it was observed that some of the materials are not being offered for verification. In this regard, all units were advised to ensure that all the products are offered for verification to the team of APV.

* * * * *

लेख - बेंजामिन फ्रैंकलिन से संबंधित प्रेरक कहानी

चंदन विश्र्वकर्मा

तकनीशियन (मैकेनिकल)
बै.नो.मु.-देवास

बचपन में बेंजामिन फ्रैंकलिन प्रेस में अखबार छापने का काम करते थे। एक दिन अचानक उनकी तबियत खराब हो गई और वो बीमार पड़ गये, उस समय उनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं थे तब उन्होंने एक धनी व्यक्ति से अपने इलाज के लिए कुछ पैसे उधार लिये। आगे चलकर जब वे आत्मनिर्भर हो गये, तब अपना कर्ज चुकाने हेतु वे उस धनी व्यक्ति के पास गये। उन्होंने उस धनी व्यक्ति की मेज पर कुछ सिक्के रखे और उससे कहा, "आपने बुरे वक्त में मेरी जो सहायता की थी, मैं उसके लिए बहुत आभारी हूं। पर अब मैं अपनी मेहनत और लगन के कारण इतना सक्षम हो गया हूं कि आपका यह कर्ज चुका सकूं। मैं यह सिक्के आपको वापस करने आया हूँ।"

बेंजामिन फ्रैंकलिन की यह बात सुनकर वह धनी व्यक्ति उन्हें घूरते हुए बोला, "क्षमा करिए, पर मैंने आपको पहचाना नहीं। न ही मुझे यह याद है कि मैंने आपको कब उधार दिया था।" बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा, "मैं उन दिनों एक प्रेस में अखबार छापने का काम करता था। एक दिन अचानक मेरी तबीयत खराब हो गई तब मैंने आपसे बीस डॉलर लिए थे।"

यह सुनकर उस व्यक्ति ने अपने बीते दिनों को याद किया तो उसे स्मरण हो आया कि एक बालक प्रेस में काम करता था और एक दिन उसके बीमार हो जाने पर उन्होंने उसकी मदद की थी।

यह याद आने पर उस व्यक्ति ने कहा, "हां, मुझे याद आ गया। लेकिन दोस्त, यह तो मनुष्य का सहज धर्म है कि वह आपत्तिग्रस्त व्यक्ति की सहायता करे। इन सिक्कों को आप अपने पास ही रखें और कभी कोई जरूरतमंद व्यक्ति आपकी नजरों में आए, तो उसे दे दीजिएगा।"

इस बात से बेंजामिन फ्रैंकलिन बहुत प्रभावित हुए और उन्हें नमस्कार कर उन सिक्कों को वापस अपने साथ ले आए। इसके बाद उन्होंने एक जरूरतमंद युवक को वे सिक्के दिए। जब उस युवक ने सिक्के लौटाना चाहा तो बेंजामिन ने कहा, "दोस्त, जब तुम सक्षम हो जाओगे तो अपने जैसे किसी जरूरतमंद को ये सिक्के दे देना। मैं समझूंगा कि मेरे पैसे मुझे वापस मिल गए।" वह युवक बोला, "मैं ऐसा ही करूंगा।" इसके बाद बेंजामिन फ्रैंकलिन ने उस युवक के कंधे पर हाथ रखते हुए बोला, "किसी जरूरतमंद की वक्त पर मदद करना ही इंसानियत है। अगर हम किसी की मदद करते हैं तो वह मदद सौ गुना अधिक होकर हमारे पास वापस आती है और हमें कामयाब बनाती है।"

"पैसा इंसान को कभी खुश ना कर पाया है ना कर पायेगा, इसकी प्रकृति में खुशियाँ देने जैसा कुछ नहीं है। जितना अधिक जिसके पास यह होता है उतना ही अधिक वह इसे चाहता है" । –बेंजामिन फ्रैंकलिन

* * * * *

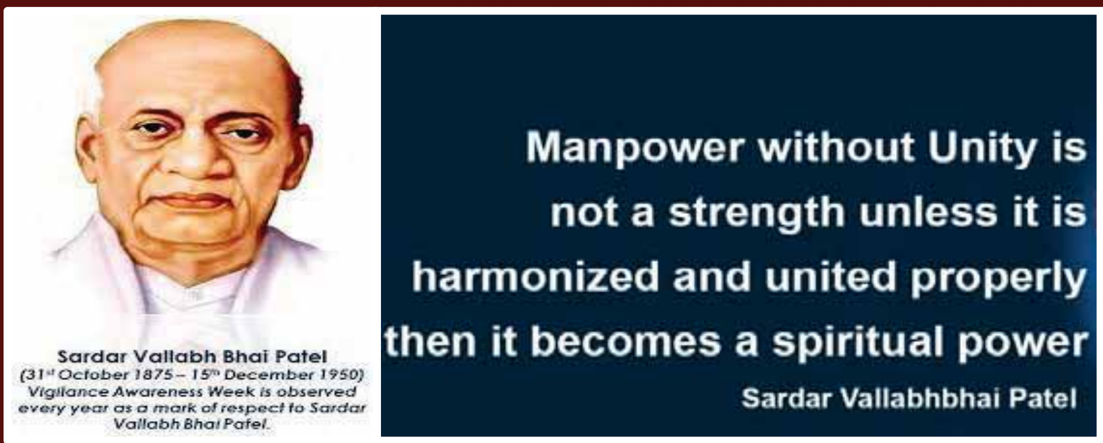

पुरस्कृत पोस्टर (पी एंड टी विद्यालय) – सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 2020

ग्रुप – 'ए' (कक्षा VI से VIII तक)

Md. Amaan, VII-A (II^nd^)

Aaryan Kashyap, VI-A (I^st^)

Anamika, VIII-A (III^rd^)

ग्रुप – 'बी' (कक्षा IX से XII तक)

Tanya, XII-B (IInd)

Dipanshu Kumar, X-A (I^st^)

Kunal, XI-B (IInd)

Khushboo, XII-B (II^nd^)

Jeevan, X-A (I^st^)

Pooja, XII-B (II^nd^)

कविता - ईमानदारी

अनिकेत गोपालराव देशमुख

क. कार्यालय सहायक,
बिल भुगतान (वि. एवं ले.)
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय,
नाशिक रोड

सच्चे कर्म से तकदीर बदल जाती है,
सच्चे वचनों से हर कोई होता है प्रेरित,
कर्म से बनती है पहचान खुद की –
इन्सान तो नहीं रहता मगर,
ईमानदारी रह जाती है।
कार्यशील व्यक्ति अपने
कर्मस्थल को पूजते हैं,
धार्मिक व्यक्ति मंदिर को –
दुराचारी लोग बिगाड़ते हैं सच्चाई को,
भ्रष्टाचारी लाभ उठाते हैं ।।
क्यों? फैल रहा है भ्रष्टाचार ।
ना कर सच झूठ का विचार
दुर्नीति हावी हो रहा चारों ओर –
दबोचकर सच्चे ईमान का नाड़ ।
कहीं ना कहीं कमजोर पड़ गया इन्सान,
सत्यता आज हो रहा बदनाम ।

दृढता का अभाव है कहीं,
एकता में कमी आ गई।
भ्रष्टाचारी का साथ क्यों दें
जबकि सच्चाई और ईमानदारी होते हैं
भाई भाई ।।

निडरता को ढाल बनाकर,
सत्यता और निष्ठा चलना है।
आयेंगे बहुत से झूठी का तूफान,
करना है उन्हें बेपर्दा,
मगर एकता और ईमानदारी
ना छोड़ना है ।।

भ्रष्टाचार मुक्त समाज होगा,
यही प्रण जब सबका होगा –
दुर्नीति मुक्त देश कि उन्नति में
हर एक का साथ जरूरी होगा ।

* * * * *

ARTICLE - THE MORE BEAUTIFUL MIND

Sriram Rajagopalan

Sr. Supervisor (Control)
CNP, Nashik

Be rich & happy from within ...

With the car parked on the road, I got on the bus. But seeing the crowd inside, I was scared. There was no place to sit. At that moment, a seat became vacant. The next one could easily sit there..... But he gave me that seat.

Next stop. The same thing happened again. Again he gave his seat to another. This happened four times in our entire bus journey. The man looked very normal, that is, he must have been going home after his job...now the last stop. Upstairs we all got off. Out of curiosity I spoke to him. Asked why you were giving your seat to another every time?? The interesting answer he gave was, I have not studied in my life – I do not know many things or much money – but I have nothing to give to anyone. No knowledge, no money. So I do this every day. That is all I can do easily.

After working all day I can stand for a little longer, I gave you my place. You said thank you to me, I was very satisfied – I did something for someone today is the great source of satisfaction to me – I do this every day & feel I am contributing to the best of my abilities.....& thus I go home refreshed & happily every day that I gave something to someone. That is what I do every day...

I am sure God will be happy to see the solution he found on it. This is one of my best art of giving something...

He taught me a lot of things today – I started to examine myself by bowing down in front of him. How easy it is to be rich from within? God must have taught this angel this splendid lesson.

MORAL: Help is very expensive because there are very few people who are not rich in mind. Beautiful clothes, tons in your bank account, best of mobile or Car, best of accessories & luxuries or educational degrees – may or may not make you rich and happy, but a simple art of giving is enough to make you feel rich & happy every day.

Always seeing the good in others is not naïve, it is the best way to bring out their good side.

* * * * *

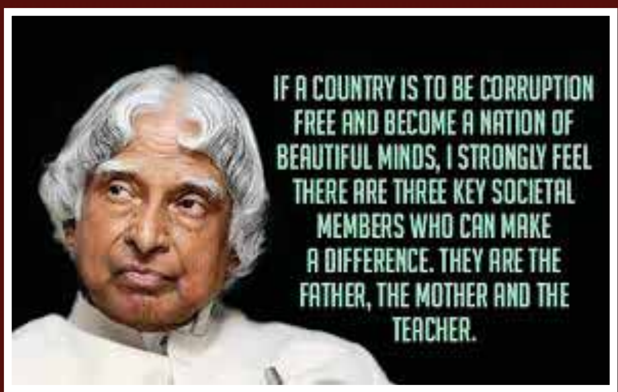

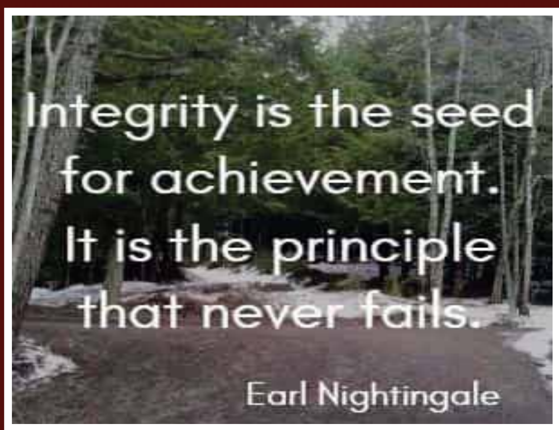

कविता - प्रयास

मधु वर्मा

कार्यालय सहायक
प्र.मु.मु.-हैदराबाद

नहीं होता जन्म। नहीं होती सृष्टि।
अगर, नहीं होता निरंतर प्रयास।

नहीं रहेगी जिन्दगी। नहीं रहेगा कल।
अगर, नहीं की जाए निरंतर कोशिश।

खाना, पीना, सोना, हर दिन करते।
लेकिन प्रयत्न के लिए, केवल रहते सोचते।

जाएगी मेहनत, आएगा अनुभव।
जाएगी विफलता, मिलेगी सफलता।

जाएगा थोड़ा समय,
रहेगा जीवन काल का विज्ञान।
बिना भगवान, हम जी सकते,
लेकिन बिना प्रयास, हम रह नहीं सकते।

करते रहो प्रयास।
जीओ जिंदगी बिंदास।

* * * * *

क्वीज़ एवं निबंध प्रतियोगिता विजेता (निगम मुख्यालय) – सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 2020

क्वीज़ प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार
श्रीमती गुजंन सिंगला,
प्रबंधक (वित्त)

द्वितीय पुरस्कार
श्री नीतिश उपाध्याय,
उप प्रबंधक (तक. प्रचा.)

तृतीय पुरस्कार
श्रीमती अमृता प्रियदर्शिनी,
उप महाप्रबंधक (सू. प्रौ.)

निबंध प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार
श्री सचिन शर्मा,
क. कार्यालय सहायक

द्वितीय पुरस्कार
श्रीमती रश्मि कौशिक ,
कार्यालय सहायक (रा.भा.)

तृतीय पुरस्कार
श्री प्रशांत बिष्ट,
पर्यवेक्षक (आर. एम.)

* * * * *

लेख - सर्तक भारत, समृद्ध भारत

श्री गोविंद पां.कपले

टेक्निशियन
भा.स.ट.-मुम्बई

दोस्तों सतर्क और जागरूक रहना, ये किसी भी इंसान या समाज के विकास के लिए बहुत ही सहायक होता है। जो समाज या राष्ट्र जागरूक और सतर्क नहीं होता उसे बड़ी ही तकलीफें उठानी पड़ती हैं जिसका एक उदाहरण आप अपने देश के रूप में ले सकते हैं जो असतार्कता में सैकड़ों सालों तक गुलाम रहा और आज़ादी के लिए एक बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी |

भारत में अशिक्षा और अस्वास्थ्य ये दो मुख्य चिंता के कारण रहे हैं और इन दोनों की कमी के कारण ही लापरवाही और अजागरुकता का जन्म होता है और सतर्कता जागरूकता सप्ताह जैसे कार्यक्रमों से समाज के ऐसे भागों में पहुचकर जागरूकता फैलाई जाती है जो उनके व्यक्तिगत अभावों के कारण समाज से कट चुके है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग को भ्रष्टाचार से लड़ने और लोक प्रशासन में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 के अंतर्गत देश मे आया गाय। यह केंद्र सरकार के तहत सभी सतर्कता गतिविधियों की निगरानी और केंद्र सरकार और संगठनों में विभिन्न प्राधिकरणों को सलाह देने के लिए शुरू किया गया है।

साथ ही इससे शासन में प्रणालीगत सुधार लाने के लिए उनके सतर्कता कार्य की योजना, क्रियान्वयन और समीक्षा की जा रही है। इसके अतिरिक्त, आयोग अपनी पहुंच गतिविधियों के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्राप्त करने की नीति के प्रति आम आदमी, विशेषकर युवाओं में जागरूकता पैदा करने का भी प्रयास करता है।

आयोग का मानना है कि इस विषय से समाज के सभी वर्गों खासकर युवाओं का ध्यान एक ईमानदार, गैर-भेदभावपूर्ण और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण करने के तरफ आकर्षित होगा और समाज को वैचारिक रूप से स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी।

आयोग ने सभी केंद्र सरकार के मंत्रालयों / संगठनों से अनुरोध किया है कि वे अपने संगठन के भीतर इस विषय से संबंधित गतिविधियों का शुरू करें।

मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार यह समाज और देश के विकास में एक बड़ी बाधा रही है और मेरा यह भी मानना है कि आज इस बुराई को अपने समाज से दूर करने के प्रयास हमें मिल जुल कर करने की जरुरत है, मुझे एहसास है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क और प्रतिबद्ध होना चाहिए।

- मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में खुद को शामिल करता हूँ।
- जीवन के सभी क्षेत्रों में कानून का पालन करना यह मेरा परम कर्तव्य है
- मैं प्रतिज्ञा लेता हूँ की न मै रिश्वत लूँगा और न ही किसी और को दूंगा।
- सभी कार्यों में ईमानदार और पारदर्शी रहूँगा।
- ऐसे कार्य करूँगा जिससे समाज और देश का कल्याण हो।
- भ्रष्टाचार के खिलाफ मैं भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसीयों को सूचित करूँगा।

* * * * *

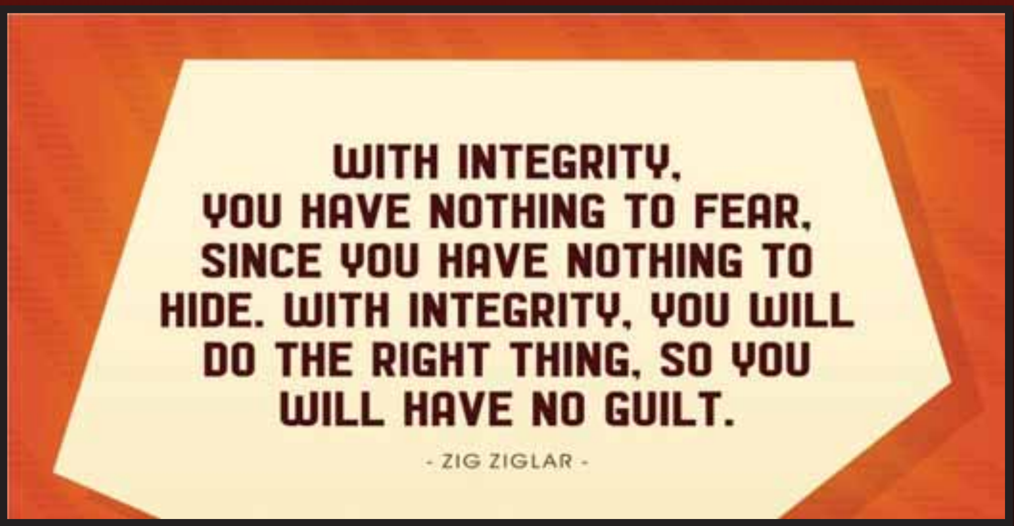

कविता – भ्रष्टाचार का निवारण

मनोज प्रजापति

तकनीशियन
बैक नोट मुद्रणालय, देवास

भ्रष्टाचार है देश के पतन का कारण, खत्म करने के लिए करे निवारण ।
लालच करता है जनता का शोषण, यह भ्रष्टाचार बड़ने का कारण ।
भ्रष्टाचार को दूर करो, बेहतर देश का निर्माण करो ।
जब हर व्यक्ति मन मे ठाणेगा, तभी यह भ्रष्टाचार मिटेगा ।

भ्रष्टाचार को अगर भगाना है, हर नागरिक को आगे आना है ।
भ्रष्टाचार से है बुरा हाल, हर आम व्यक्ति का यही है हाल ।
आओ हम एक उम्मीद बने, भ्रष्टाचार को दूर करे ।
भ्रष्टाचार ने लूटा देश, चोरो ने बनाया भष्ट भेष ।

पूरे देश मे बजाओ डंका, भ्रष्टाचार की जलाओ लंका ।
भ्रष्टाचार नाम को दूर भगाओ, अच्छे बनो अच्छा समाज बनाओ ।
भ्रष्टाचार का विरोध करो, सरकारी तंत्र मे सुधार करो ।
चलो बनें हम बेहतर उदाहरण, भ्रष्टाचार का करें पाटन ।

भ्रष्टाचारी लोग कर रहे है ऐश, बनाया इंही लोगों ने भ्रष्ट देश ।
देश को उन्नति की ओर बढ़ायेँ, देश को भ्रष्टाचार से बचायेँ ।
उठो सोचो एक अलख जगाएँ, भ्रष्टाचार मुक्तजीवन जीने की कसम खायेँ।
न पैसे लें – न पैसे दें, भ्रष्टाचार दूर करना है अपना योगदान दें ।

मेरा देश – तेरा देश कहकर न करो कलेश ।
खत्म करो भ्रष्टाचार का नाम, देश पायेगा ऊचा मुकाम ।
माता पिता ने पढ़ा लिखाकर, तुमको अफसर बना दिया ।
आज देखकर लगता है कि, सबसे बढ़ा गुनाह किया ।

रिश्वत लेने से अच्छा है कि, भिक्षा लेकर जी लेते ।
मुह खोलकर मांगे पैसे, बेहतर होंठ तुम सी लेते ।
लाखों का धन है तो भी, क्यों भीखारी बन गये ।
काले धन की पुजा करके, जाने केसे तन बैठे ।

भूल गये, बचपन में तुम भी, खिलोना देख रो देते थे ।
आज कैसे, उन नन्हें हाथों से, खेलने का हक ले बैठे ।
एक आदमी पेट काट कर, अपना घर चलाता है ।
खून पसीना बहा कर, मेहनत की रोटी खाता है ।

खुद भूका सो जाये पर, बच्चों की रोटी लाता है ।
तू उनसे छीन निवाला, जाने कैसे जी पाता है ।

* * * * *

लेख - भ्रष्टाचार मुक्त भारत

श्री गोविंद पां.कपले

टेक्निशियन
भा.स.ट.-मुम्बई

भारत विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार की समस्या का सामना करता है। यह समस्या हमारे देश को आंतरिक रूप से खा रही है। यह समय है जब हममें से प्रत्येक को हमारे देश पर भ्रष्टाचार के नकारात्मक प्रभाव का एहसास होना चाहिए और हमारे देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।यह अक्सर कहा जाता है कि भारतीय राजनेता भ्रष्ट हैं लेकिन यह एकमात्र ऐसा क्षेत्र नहीं है जहाँ भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार हर क्षेत्र में है और यह हमारे देश को बर्बाद कर रहा है।

मैं भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना देखता हूं। एक ऐसी जगह जहां हर कोई कड़ी मेहनत करता है और उसे वह मिलता है जिसके वह हकदार होते हैं। वह स्थान जो सभी को उनके जाति, रंग, पंथ या धर्म के बावजूद उनके ज्ञान और कौशल के आधार पर समान अवसर देता है। वह स्थान जहाँ लोग अपने स्वार्थी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अन्य लोगों का उपयोग नहीं करते हैं।

लेकिन अफसोस, भारत इस आदर्श जगह से बहुत दूर है जिसकी मैं कल्पना करता हूँ। हर कोई पैसे कमाने और अपनी जीवन शैली को बढ़ाने में इतना तल्लीन है कि वे अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भ्रष्ट तरीकों का उपयोग करने से नहीं चूकते हैं। यह एक आम धारणा है कि जो लोग ईमानदारी के साथ काम करते हैं, वे कहीं भी नहीं पहुंच पाते हैं। वे शायद ही कोई पदोन्नति पाते हैं और अल्प वेतन अर्जित करते रहते हैं। दूसरी ओर, जो लोग रिश्वत की तलाश करते हैं और अपने कार्यों को पूरा करने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग करते हैं वे सफलता की सीढ़ी चढ़ते हैं और एक बेहतर जीवन बनाते हैं।

यह समझने की आवश्यकता है कि यद्यपि भ्रष्ट तरीकों का उपयोग करना ज्यादातर मामलों में पैसा बनाने का एक आसान तरीका है लेकिन यह वास्तव में आपको खुश नहीं करता है। आप इस तरह के कुकृत्यों का उपयोग अच्छी तरह से कर सकते हैं लेकिन क्या आप कभी मन की शांति प्राप्त करेंगे? नहीं! आपको अस्थायी खुशी मिल सकती है लेकिन लंबे समय में आप असंतुष्ट और दुखी रहेंगे।

हममें से प्रत्येक को भ्रष्ट आचरण छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। इस तरह हमारा जीवन बेहतर हो जाएगा और हमारा देश बहुत बेहतर जगह बन जाएगा।

भारत, उच्च मूल्यों, नैतिकता और परंपराओं का दावा करने वाला देश, विडंबना का सामना भ्रष्टाचार की समस्या से करता है। यह उन विभिन्न कुप्रथाओं में से एक है जिनसे हमारा देश जूझ रहा है। देश की पूरी प्रणाली विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार पर आधारित है।

भारत में सरकार और राजनीतिक दल अपने भ्रष्ट तरीकों के लिए जाने जाते हैं। भ्रष्ट आचरण में लिप्त होने के बजाय, उन्हें भ्रष्टाचार की समस्या पर काबू पाने के लिए काम करना चाहिए। उन्हें नागरिकों के लिए एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए और उन्हें भ्रष्ट साधनों का उपयोग करने के बजाय अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

भारत में कोई भी चुनाव के लिए खड़ा हो सकता है और एक राजनीतिक पार्टी बना सकता है। पात्रता मानदंड में किसी व्यक्ति की शैक्षणिक योग्यता शामिल नहीं है। ऐसे मंत्री हैं जिन्होंने विद्यालय में भाग नहीं लिया है और राजनीतिक प्रणाली के बारे में पूरी तरह से शून्य ज्ञान रखते हैं। ऐसे भी हैं जिनका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है। जब देश ऐसे लोगों द्वारा शासित हो रहा है, तो भ्रष्टाचार होना तय है। एक न्यूनतम शैक्षिक योग्यता मानदंड निर्धारित किया जाना चाहिए। केवल वे उम्मीदवार जो शैक्षिक मानदंडों को पूरा करते हैं और स्वच्छ रिकॉर्ड रखते हैं, उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों को तब उन्हें सौंपे गए विभिन्न कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। एक शिक्षित और प्रशिक्षित व्यक्ति निश्चित रूप से देश को बेहतर ढंग से चला सकता है।

हर चीज के लिए एक सेट प्रोटोकॉल होना चाहिए और यह देखने के लिए कि क्या इसका पालन किया जा रहा है, मंत्रियों की गतिविधियों की निगरानी उच्च अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए।

हालांकि हम में से हर एक भ्रष्टाचार मुक्त भारत चाहता है, लेकिन कोई भी इस उद्देश्य के लिए योगदान करने के लिए तैयार नहीं है। हम बल्कि इसे जोड़ रहे हैं। अपने देश को इस कुप्रथा से मुक्त करने के लिए हमें एकजुट होना चाहिए और अपने प्रयासों में ईमानदार होना चाहिए।हमारे देश में भ्रष्टाचार का स्तर अधिक होने के कई कारण हैं। इन कारणों पर एक संक्षिप्त नज़र है|

योग्य युवाओं की संख्या की तुलना में बाजार में नौकरियां कम हैं। जबकि कई युवा इन दिनों बिना किसी नौकरी के घूमते हैं, अन्य लोग ऐसे काम करते हैं जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं हैं। इन व्यक्तियों में असंतोष और अधिक कमाई के लिए उनकी खोज उन्हें भ्रष्ट साधन लेने के लिए प्रेरित करती है।

हमारे देश में लोग भ्रष्ट आचरण जैसे रिश्वत देना और लेना, आयकर का भुगतान न करना, व्यापार चलाने के लिए भ्रष्ट साधनों का पालन करना आदि से दूर हो जाते हैं। लोगों की गतिविधियों की निगरानी के लिए कोई सख्त कानून नहीं है। यहां तक कि अगर लोग पकड़े जाते हैं, तो उन्हें इसके लिए कड़ी सजा नहीं दी जाती है। यही कारण है कि देश में भ्रष्टाचार अधिक है।

शिक्षित लोगों से भरे समाज में कम भ्रष्टाचार का सामना करने की संभावना है। जब लोग शिक्षित नहीं होते हैं, तो वे अपनी आजीविका कमाने के लिए अनुचित और भ्रष्ट साधनों का उपयोग करते हैं। हमारे देश में निम्न वर्ग शिक्षा के महत्व को कम करते हैं और इससे भ्रष्टाचार बढ़ता है।

बाजार में लालच और बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी बढ़ते भ्रष्टाचार का कारण है। इन दिनों लोग बेहद लालची हो गए हैं। वे अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से अधिक कमाई करना चाहते हैं और इस पागल भीड़ में वे अपने सपनों को साकार करने के लिए भ्रष्ट साधनों को नियोजित करने में संकोच नहीं करते हैं।

हर कोई चाहता है कि देश भ्रष्टाचार मुक्त हो और इस दिशा में कुछ न करने के लिए सरकार की आलोचना करे। लेकिन क्या हम अपने स्तर पर इस मुद्दे पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहे हैं? नहीं हम नहीं। जाने या अनजाने में हम सभी भ्रष्टाचार को जन्म दे रहे हैं। कोई भी पहल करने और देश से इस बुराई को दूर करने के लिए एक टीम के रूप में काम करने के लिए तैयार नहीं है।

भ्रष्टाचार के कारणों को सभी जानते हैं। ऐसा कहा जाता है कि एक बार समस्या का कारण पहचानने के बाद आधा कार्य हो जाता है। अब समस्या पर बार-बार चर्चा करने के बजाय समाधान तलाशने का समय है।

सरकार को इसे भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए एक जिम्मेदारी के रूप में लेना चाहिए क्योंकि हमारा देश प्रगति नहीं कर सकता यदि यह समस्या बनी रहती है। भ्रष्टाचार की ओर ले जाने वाली प्रत्येक समस्या को अपनी जड़ों से हटाना होगा। उदाहरण के लिए, अच्छे रोजगार के अवसरों की कमी, जो भ्रष्टाचार की ओर ले जाती है, जनसंख्या की बढ़ती दर के कारण होता है। देश की जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। इसी तरह, भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के लिए हर पहलू पर काम करना होगा।

अगर भ्रष्टाचार की समस्या से छुटकारा मिल जाए तो हमारा देश फल-फूल सकता है और बेहतर हो सकता है। इसलिए, हम सभी इस बड़े मुद्दे को हल करने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करें।

* * * * *

लेख - कोविड-19, डिजिटल युग का आरोहण और दुनिया में बढ़ती तकनीकी प्रतिद्वंदिता

श्री नरेश कुमार

उप प्रबंधक (राजभाषा)
भा.स.ट.-नोएडा

दुनिया में कोविड-**19** के कारण हो रहे बदलाव से जुड़ा हुआ सबसे उचित प्रश्न डिजिटल तकनीक तक लोगों की पहुंच का है। ज़रा सोचिए कि सोशल डिस्टेंसिंग के इस दौर में तमाम सरकारों पर प्रशासनिक व्यवस्था को चलाने और जनता को ज़रूरी सेवाएं देने का कितना अधिक दबाव होगा। उन अभिभावकों की आवाज़ें सुनिए, जो अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर न मिल पाने से फ़िक्रमंद हैं, या फिर, ऐतिहासिक रूप से समाज के हाशिए पर पड़े तबक़े की मांग के बारे में सोचिए, जो घर से बैठ कर काम नहीं कर सकते। ज़िंदगी, सुरक्षा और रोज़ी रोटी जैसे सभी अहम सवालों के जवाब की गारंटी वर्चुअल माध्यमों से देनी होगी। ऐसे में दुनिया भर की सरकारें इन सुविधाओं को देने के लिए किस तरह से संघर्षरत होंगी।

इस चुनौती से निपटने के लिए कई तकनीकी कंपनियां व्यवस्था परिवर्तन के सकारात्मक विकल्प देने में सक्षम होंगी क्योंकि ये कंपनियां अपने लिए नए क्षेत्र विकसित करने का प्रयास कर रही हैं और वो करोड़ों सामाजिक और वाणिज्यिक संवादों में शामिल होने के लिए मुक़ाबले के मैदान में उतरेंगी। इनमें से कई विषय तो अब हमेशा ऑनलाइन ही प्रतिपादित किए जाएंगे। मिसाल के रूप में, इस महामारी के दौर में वीडियो कॉन्फ़्रेंस की तकनीक बहुत बड़ी मददगार बन कर उभरी है जो सरकारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपना काम संपादित करने में अहम भूमिका निभा रही है और आगे चल कर तमाम देशों की सरकारें ऐसे डिजिटल औज़ारों का उपयोग बढ़ाएंगी, जिनकी मदद से वो स्वास्थ्य संबंधी निगरानी कर सकेंगी।

लोगों से क्वारंटीन में रहने की शर्त का पालन करा सकेंगी। इन परिस्थितियों में तकनीक का इस्तेमाल करने वाले की निजता, उसके अधिकारों और डेटा संरक्षण को लेकर होने वाली परिचर्चाएं और अवधारणाएं आने वाले वर्ष में काफ़ी कुछ बदल चुकी होगी।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस तकनीकी रूपांतरण से जो सबसे बड़ा बदलाव आने जा रहा है, वो है तकनीक और किसी समाज के बीच संबंध के रंग रूप में होने वाला संरचनात्मक परिवर्तन। पिछले दो दशकों में दो ऐसी मूलभूत धारणाएं रही हैं, जिन्होंने तकनीक और समाज के बीच इस लगातार परिवर्तित होने वाले रिश्ते को परिभाषित किया है। पहली अवधारणा तो इक्कीसवीं सदी के पहले दशक के दौरान विकसित हुई थी। जिसके अनुसार, उभरती हुई तकनीकों में ये शक्ति है कि वो लोगों को बहुत सी कुरीतियों और बुरे हालात से मुक्त करेंगी। इस विषय में दूसरा दृष्टिकोण, जो इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में विकसित हुआ, वो पहली धारणा के ठीक विपरीत था। इस धारणा के प्रतिपादकों को उभरती हुई तकनीक से सामाजिक परिवर्तन की अपेक्षाएं नहीं, बल्कि उन पर संदेह होने लगा था। इस धारणा को मानने वालों का कहना था कि उभरती हुई तकनीकी दुनिया ने हमारे सामाजिक जीवन में सकारात्मक भूमिका नहीं निभाई। वो इन तकनीकों को शक की निगाह से देखने लगे थे। उन्हें लगता था कि इन तकनीकों को विकसित करने वाली बड़ी बड़ी तकनीकी कंपनियां और इनकी मदद से सशक्त हो रहे राष्ट्रों और उनके इरादों को शक की नज़र से देखने की आवश्यकता है।

नए कोरोना वायरस का प्रकोप इन दोनों ही धारणाओं के समेकन की मांग कर रहा है। साथ ही साथ तकनीकी परिवर्तन को लेकर नए दृष्टिकोणों की भी आवश्यकता है, जिन्हें बहुत ही कम समय में विकसित करना होगा क्योंकि अब समय बहुत कम बचा है। आने वाले वर्ष में जो भी फ़ैसले लिए जाएंगे, वो या तो हमारी ज़िंदगी में स्थायी भाव ले आएंगे, या फिर, आने वाले दशक में हमें कुछ ख़ास पथों पर चलने की ओर अग्रसर करेंगे।

जिन तकनीकों के बारें में पहले समाज ये सोचता था कि उन्हें ज़िंदगी में शामिल करने से पहले और अधिक समीक्षा की आवश्यकता है, वैसी तकनीकें अब तेज़ी से हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनने की ओर अग्रसर होंगी जैसे कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल।

उम्मीद यही है कि ऐसी तकनीकों को तेज़ी से विकसित करके हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनाया जाएगा। इस बीच, उपभोक्ता से जुड़ी तकनीकें जो बड़ी तेज़ी से प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं, जैसे कि वीडियो कांफ्रेंसिंग या वित्तीय तकनीक के मंच। उन्हें उपभोक्ताओं और सरकारों द्वारा और अधिक सूक्ष्म परीक्षण से गुज़रना होगा क्योंकि उनका इस्तेमाल उपयोगिता के आधार पर होगा।

अब जबकि आने वाले समय में इन दोनों तकनीकी दृष्टिकोणों का संश्लेषण देखने को मिलेगा तो, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के पास नए अवसर भी होंगे और नई चुनौतियां भी सामने आएंगी। शायद जो पहली और सबसे स्पष्ट चुनौती होगी, वो होगी लगभग डिजिटल क्षेत्र से निपटने की। निश्चित रूप से इस महामारी के साथ सूचना की महामारी अथवा इन्फोडेमिक (infodemic) भी आई है जिसके चलते ग़लत और झूठी जानकारियों की तमाम सोशल मीडिया पर बाढ़ सी आ गई थी। आज सोशल मीडिया के बारे में ये कहा जा सकता है कि ये व्यवहारिक रूप से मुख्य धारा के मीडिया की भूमिका भी हड़प रहा है और आज सोशल मीडिया के मंच जनता की राय गढ़ने वाली परिचर्चाओं का प्रमुख मंच बन गए हैं।

* * * * *

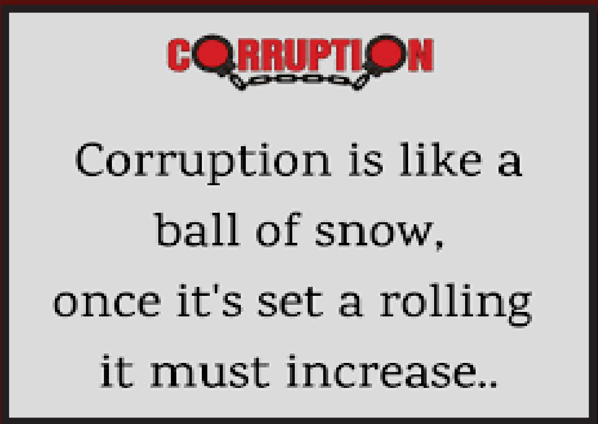

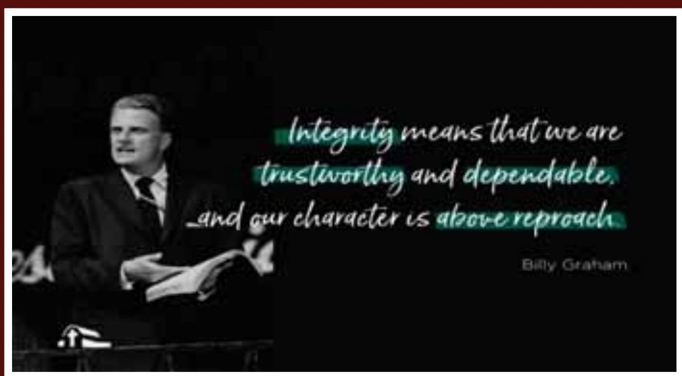

निबंध प्रतियोगिता विजेता (पी एंड टी विद्यालय) – सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 2020

ग्रुप – I (कक्षा VI से VIII तक)

भूमि दीक्षित,
VII-बी (I[st])

अनामिका,
VIII-ए (II[nd])

अक्षरा,
VI – बी (III[rd])

ग्रुप – II (कक्षा IX से XII तक)

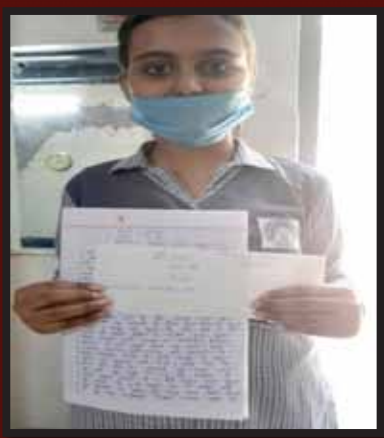

शैलजा,
XII-ए (I[st])

विशाल सिंह,
X-ए (II[nd])

कुमकुम,
X – ए (III[rd])

* * * * *

ARTICLE - 100 PROVERBS ON VIGILANCE

E. Eber Emmanuel

Senior Operator,
T.No. 25/7946,
IGM, Hyderabad

1. A person's thoughts are like water in a deep well, but someone with insight can draw them out.

2. God hates people who use dishonest weights and measures.

3. Don't try to talk sense to a fool, he can't appreciate it.

4. Curses will not harm the innocent.

5. If you are weak in a crisis, you are weak indeed.

6. An honest answer is a sign of true friendship.

7. An idea well expressed is like a design of gold, set in silver.

8. If you answer a silly question, you are just as silly as the person who asked it.

9. Patient persuasion can break down the strongest resistance and can even convince rulers.

10. Better to be poor and honest than to be rich and dishonest.

11. Don't hesitate to rescue someone who is about to be executed unjustly.

12. If you are always planning evil, you will earn a reputation as a troublemaker.

13. Never move an old boundary mark that your ancestors established.

14. Don't make friends with people who have hot, violent tempers. You might learn their habits and not be able to change.

15. Don't take advantage of the poor just because you can.. God will argue their case.

16. Righteous people are sure of themselves : the wicked have to pretend as best they can.

17. A king will remain in power as long as his rule is honest, just and fair.

18. A gossip can never keep a secret, stay away from such people.

19. If you refuse to hear to the cry of the poor, your own cry for help will not be heard.

20. If you want to stay out of trouble, be careful what you say.

21. Discipline your children when they are young enough to learn.

22. The more easily you get wealth, the sooner you will lose it.

23. A careless talker destroys himself.

24. Sensible people always think before they act, but stupid people advertise their ignorance.

25. Righteousness protects the innocent, wickedness is the downfall of sinners.

26. Proud fools talk too much, the words of the wise protect them.

27. The righteous have enough to eat, but the wicked are always hungry.

28. If you laugh at poor people, you insult the God who made them.

29. If you want people to like you, forgive them when they wrong you.

30. It is not right to favour the guilty and prevent the innocent from receiving justice.

31. Listen before you answer. If you don't, you are being stupid.

32. The tongue of the wise uses knowledge rightly, but the mouth of fools pours forth foolishness.

33. Being wise is better than being strong.

34. Don't be glad when your enemies meet disaster and don't rejoice when they stumble.

35. Better to correct someone openly than to praise secretly.

36. Let other people praise you... Never do it yourself.

37. Human desires are like the world of the dead --- there is always room for more.

38. Difficulties test us as gold is tested in fire.

39. The wicked run when no one is chasing them but an honest person is as brave as a lion.

40. Someone in authority who oppresses poor people is like a driving rain that destroys the crops.

41. If you trick an honest person into doing evil, you will fall into your own trap.

42. Be honest and you will be safe. If you are dishonest, you will suddenly fall.

43. A hardworking person will have plenty to eat, but a lazy person will always be poor.

44. Stupid people express their anger openly but sensible people are patient and hold it back.

45. If you flatter your friends, you set a trap for yourself.

46. Give to the poor and you will never be in need.

47. A thief's partner is his own worst enemy.

48. A ruler without good sense will be a cruel tyrant.

49. People who promise things that they never give are like clouds that bring no rain.

50. People learn from one another just as iron sharpens iron.

51. He who kneels before God can stand before anyone.

52. A prayer from one's true heart will bring up the circumstances.

53. When we pour out our problems in God's hands he puts his peace in our hearts.

54. God doesn't give you what you want. He creates the opportunity for us to do so.

55. God has perfect planning, trust him.

56. You do not find the happy life, you make it.

57. Be the CHANGE that you wish to see in the world.

58. If you want to succeed, focus on changing yourself, not others.

59. No act of kindness, no matter how small, is ever wasted.

60. Seek respect, not attention. It lasts longer.

61. You get what you give.

62. Work hard in silence, let your success speak.

63. The two most powerful warriors are patience and time.

64. Commit your works to God and your plans will be established.

65. Faith does not make things easy, it makes things possible.

66. Prayer is the most powerful weapon.

67. A happy heart is a good medicine.

68. Don't be afraid to give up the good to go for the best.

69. Happiness is not by chance, but by choice.

70. The only time you run out of chances is when you stop trying.

71. The best view comes after the hardest climb.

72. Our greatest weakness lies in giving up.

73. The best way to predict the future is to design it.

74. It is not the length of life, but the depth of life which is more important.

75. Time is free, but it is priceless.

76. Never let go of loyalty and faithfulness.

77. A gentle answer quietens anger but a harsh one stirs it up.

78. Righteous people keep their health, but the wicked lose theirs when hard time comes.

79. If you pay attention when you are corrected, you will prosper.

80. Wisdom is a fountain of life to the wise but trying to educate stupid people is a waste of time.

81. Pride leads to destruction and arrogance to downfall.

82. Kind words are like honey, sweet to taste and good for health.

83. Long life is the reward of righteousness.

84. The more easily you get your wealth, the less good it will do to you.

85. Never boast about tomorrow, you never know what would happen.

86. Change your thoughts and you change your world.

87. Many people are afraid of dark but the real tragedy is, those who are afraid of the light.

88. The beauty of life does not depend on how happy you are, but how happy others can be because of you.

89. One day your life will flash before your eyes. Make sure it's worth watching.

90. Life is a journey, not a destination.

91. Don't waste your time on revenge, let God fight for you.

92. Don't educate your children to be rich, educate them to be happy so they know the value of the things, not the price

93. Don't give up in times of difficulty. Persevere on as there will be an end to these.

94. Running away from your problems is a race you will never win.

95. Enjoy life today. Yesterday is gone and tomorrow may never come.

96. Falling down is a part of life, getting up is living.

97. A smile is an expensive way to improve your looks.

98. A warm smile is the universal language of kindness.

99. The best time for new beginnings in NOW.

100. There are two types of pains, one that hurts you and the other that changes you.

* * * * *

MANAGEMENT LESSONS FROM SHREEMAD BHAGWAD GITA

SACHIN AGRAWAL

Company Secretary,
Corporate Office

One of the greatest contributions of India to the world is Shreemad Bhagwad Gita which is considered to be one of the first revelations from God. It provides all that is needed to raise the consciousness of a human being to the highest possible level.

To motivate Arjuna, who got mentally disturbed upon seeing those near and dear ones whom he had to fight in the war of Kurukshetra, Lord Krishna told him to perform his duty. In the eighteen chapters of Bhagwad Gita, one discovers wonderful management guidelines which are applicable even today.

The Bhagavad Gita enlightens us on all managerial techniques that lead to a harmonious and balanced state, overcoming conflicts and contradictions which lead to lower efficiency & productivity, absence of motivation and lack of work culture. Most of the management concepts like vision, leadership, motivation, excellence in work, goal seeking, work ethics, decision making, planning etc. are discussed in the Bhagavad Gita.

Now let us re-examine some of the modern management concepts in the light of the Bhagavad Gita which is a primer of management by values.

- **Utilization of Available Resources**

The first lesson in the management science is to choose wisely and utilize optimally the scarce resources if one has to succeed in his

venture. Before the Mahabharata War Duryodhana chose Shree Krishna's large army for his help while Arjuna selected Shree Krishna's wisdom for his support. This incident gives us a clue as to who is an Effective Manager. An Effective Manager effectively plans the resources required for achieving the desired objectives and obtains and utilises those resources efficiently.

- **Work Commitment**

Bhagavad Gita discusses in great details the theory of cause and effect, making the doer responsible for the consequences of his deeds. The Gita, while advising detachment from the avarice of selfish gains by discharging one's accepted duty, does not absolve anybody of the consequences arising from discharge of his responsibilities. The Bhagwad Gita advises that the work must be done with detachment. The Gita further advises to perform action with loving attention to the Divine which implies redirection of the empirical self away from its egocentric needs, desires, and passions for creating suitable conditions to perform actions in pursuit of excellence.

- **Work Results**

The Gita further explains the theory of non-attachment to the results of work The Gita explains that if the result of sincere effort is a success, the entire credit should not be appropriated by the doer alone. If the result of sincere effort is a failure, then also the entire blame does not accrue to the doer. The former attitude mollifies arrogance and conceit while the latter prevents excessive despondency, de-motivation and self-pity. Thus, both of these dispositions safeguard the doer against psychological vulnerability which is the cause for many diseases like diabetes, high blood pressure, ulcers etc.

- **Manager's Mental Health**

Sound mental health is the very goal of any human activity. An expert describes sound mental health as that state of mind which can

maintain a calm, positive poise or regain it when unsettled in the midst of all the external vagaries of work life and social existence. Internal constancy and peace are the pre-requisites for a healthy stress-free mind.

Some of the impediments to sound mental health are:

- Greed - for power, position, prestige and money.
- Envy - regarding others' achievements, success, rewards.
- Egotism - about one's own accomplishments.
- Suspicion, anger and frustration.
- Anguish through comparisons.

The Gita tells us how to get out of this universal phenomenon by prescribing the following tablets:

- Cultivate sound philosophy of life.
- Identify with inner core of self-sufficiency.
- Get out of the habitual mind-set towards the pairs of opposites.
- Strive for excellence through work is worship.
- Build up an internal integrated reference point to face impulses and emotions.
- Pursue ethic-moral rectitude.

- **Attitude Towards Work**

The Gita tells us is to develop the visionary perspective in the work we do. It tells us to develop a sense of larger vision in one's work for the common good.

- **Management Needs those Who Practice What They Preach**

Whatever the excellent and best ones do, the commoners follow, so says Lord Krishna in the Gita. In one of the verses of the Gita, the Lord says ***"I do not need to work, yet I am working continuously, because if I stop working, everybody would do the same, resulting in total chaos."*** This is the leadership quality prescribed in the Gita.

The visionary leader must also be a missionary, extremely practical, intensively dynamic and capable of translating dreams into reality. This dynamism and strength of a true leader flows from an inspired and spontaneous motivation to help others.

- **The Ultimate Message of Gita for Managers**

The despondent position of Arjuna in the first chapter of the Gita is a typical human situation which may come in the life of all human being some time or other. Shree Krishna by sheer power of his inspiring words raised the level of Arjuna's mind from the state of inertia to the state of righteous action, from the state of faithlessness to the state of faith and self-confidence in the ultimate victory of Dharma (ethical action).

When Arjuna got over his despondency and stood ready to fight, Shree Krishna gave him the gospel for using his spirit of intense action not for his own benefit, not for satisfying his own greed and desire, but for using his action for the good of many, with faith in the ultimate victory of ethics over unethical actions and truth over untruth. Arjuna responds by emphatically declaring that all his delusions were removed and that he is ready to do what is expected of him in the given situation.

The Bhagwad Gita's consoling message for all men of action is: "***He who follows My ideal in all walks of life without losing faith in the ideal or never deviating from it, I provide him with all that he needs and protect what he has already got***".

* * * * *

OBSERVANCE OF VIGILANCE AWARENESS WEEK- 2020

AT CORPORATE OFICE

PLEDGE TAKING CEREMONY

ESSAY COMPETITION

POSTER COMPETITION

QUIZ COMPETITION

INTER-UNIT QUIZ COMPETITION (FINAL ROUND)

AT INDIA SECURITY PRESS, NASHIK

OATH CEREMONY

ESSAY COMPETITION

VENDORS MEET

AT CURRENCY NOTE PRESS, NASHIK

PLEDGE TAKING CEREMONY

ONLINE VENDORS MEET

QUIZ COMPETITION

AT BANK NOTE PRESS, DEWAS

PLEDGE TAKING CEREMONY

E-PLEDGE CAMP

VENDORS MEET

VALEDICTORY CEREMONY

AT SECURITY PRINTING PRESS, HYDERABAD

CASE STUDIES PRESENTATION

VENDORS MEET

QUIZ COMPETITION

PRIZE DISTRIBUTION CEREMONY

AT SECURITY PAPER MILL, HOSHANGABAD

OATH CEREMONY

E- PLEDGE CAMP

QUIZ COMPEITION

ONLINE VENDORS MEET

DEBATE COMPETITION

AT INDIA GOVERNMENT MINT, KOLKATA

OATH CEREMONY

SLOGAN COMPETITION

ESSAY COMPETITION

POSTER COMPETITION

EXTEMPORE COMPETITION

QUIZ COMPETITION

AT INDIA GOVERNMENT MINT, MUMBAI

PLEDGE TAKING CEREMONY

QUIZ COMPETITION

VENDORS MEET

SEMINAR

PRIZE DISTRIBUTION CEREMONY

AT INDIA GOVERNMENT MINT, HYDERABAD

OATH CEREMONY

QUIZ COMPETITION

VENDORS MEET

VALEDICTORY CEREMONY

AT INDIA GOVERNMENT MINT, NOIDA

PLEDGE TAKING CEREMONY

POSTER COMPETITION

QUIZ COMPETITION

DEBATE COMPETITION

* * * * *

NEW JOINEES IN VIGILANCE DEPARTMENT

SHRI VINAY KUMAR SINGH, IRS ASSUMED CHARGE OF CVO, SPMCIL ON 12.08.2021

SHRI AMITABH SHAH, JOINED AS DGM (VIGILANCE), CHO ON 25.06.2021

SHRI B RAJASHEKHAR, JOINED AS MANAGER (VIGILANCE), CHO ON 07.06.2021

SHRI PABITRA PAUL, JOINED AS MANAGER (VIGILANCE), IGMK ON 07.06.2021

SHRI ANJINAPPA D, JOINED AS MANAGER (VIGILANCE), SPP/IGMH ON 07.06.2021

SHRI SUMIT KOHLI, JOINED AS SR SUPERVISOR (VIGILANCE), CHO ON 24.02.2021

SHRI MOHAN KUMAR SURU, JOINED AS SUPERVISOR (VIGILANCE), IGMM ON 07.04.2021

SHRI ANOOP SNGH, JOINED AS SUPERVISOR (VIGILANCE), SPMH ON 05.06.2021

SHRI AKASH SAXENA, JOINED AS SUPERVISOR (VIGILANCE), CHO ON 11.10.2021

* * * * *

REPATRIATION FROM VIGILANCE DEPARTMENT

SMT MAMTA SINGH, IPS REPATRIATED TO HER PARENT CADRE

SHRI VIVEK TANEJA, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

SHRI AMIT KUMAR SINGH, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

SHRI NAGESWAR RAO, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

SHRI SAYAN BARUA, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

SHRI RAJIV RANJAN, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

SHRI NALIN PATEL, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

SHRI K P SINGH, REPATRIATED TO HIS PARENT DEPARTMENT

* * * * *

VIGILANCE TEAM

AT CORPORATE OFFICE

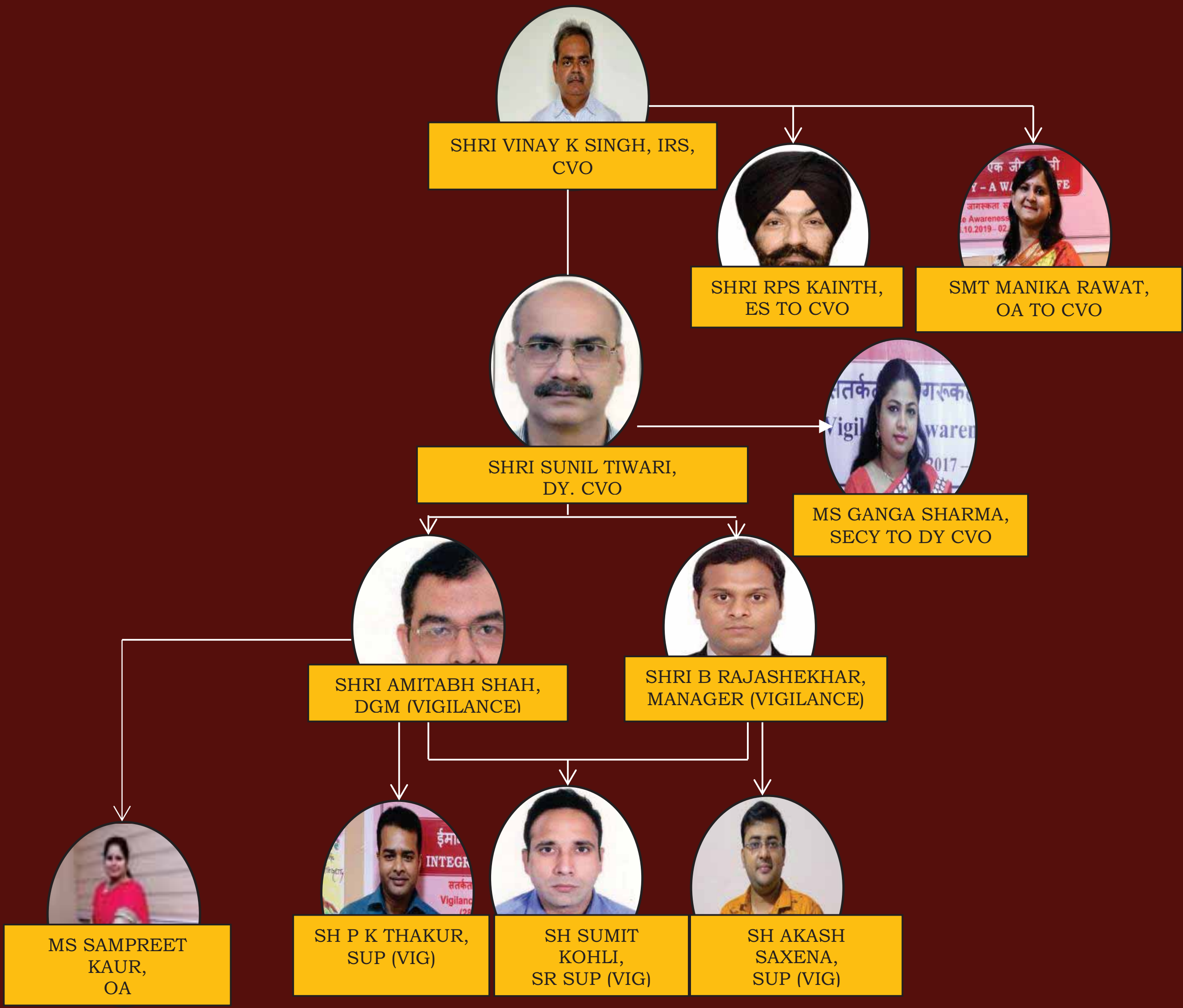

* * * * *

AT UNITS

ISP/CNP, NASHIK

SH SANDEEP CHAUDHARY, MANAGER (VIG), ISP/CNP, NASHIK

SH RAJESH BHAKLERAO, SR SUP (VIG), ISP, NASHIK

SH PROMIT CHATTOPDHYAY, SUP (VIG), CNP, NASHIK

BNP-DEWAS/ SPM-HOSHANGABAD

SH GHANSHYAM NAREDA, MANAGER (VIG), BNP, DEWAS/ SPM, HOSHANGABAD

MOHD NAYAB, SUP (VIG), BNP, DEWAS

SH ANOOP SINGH, SUP (VIG), SPM, HOSHANGABAD

SPP/IGM, HYDERABAD

SH ANJINAPPA D, DY MANAGER (VIG), SPP/IGM, HYDERABAD

SH PEDDI RAJU, SUP (VIG), SPP, HYDERABAD

IGM, KOLKATA

SH PABITRA PAUL, MANAGER (VIG), IGM, KOLKATA

SH ANJAN PATHAK, SUP (VIG), IGM, KOLKATA

IGM, MUMBAI

SH AKHIL BHAGAT, MANAGER (VIG), IGM, MUMBAI

SH MOHAN SURU, SUP (VIG), IGM, MUMBAI

IGM, NOIDA

SH B RAJASHEKAR, MANAGER (VIG), CHO & I/C IGM, NOIDA

SH SUMIT KOHLI, SR SUP (VIG), CHO & I/C IGM, NOIDA

POSTERS OF VAW-2020

MADE BY CHANDRA KUSHWAHA, DGM (IT)

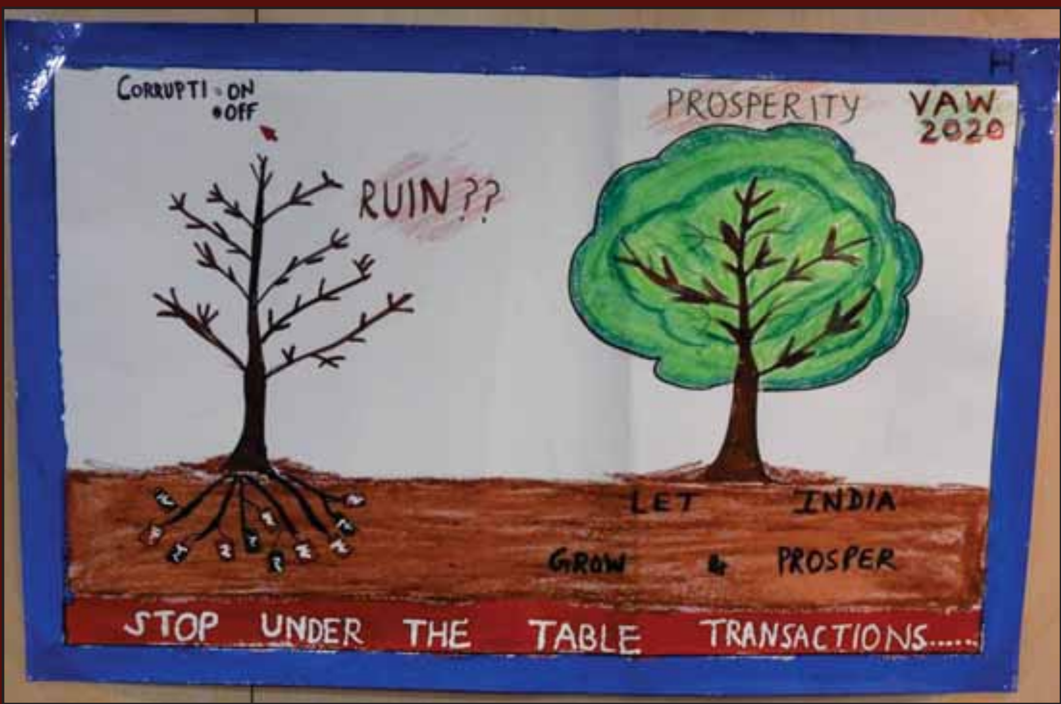

MADE BY PRINCI BHATIA, SUPERVISOR (RM)

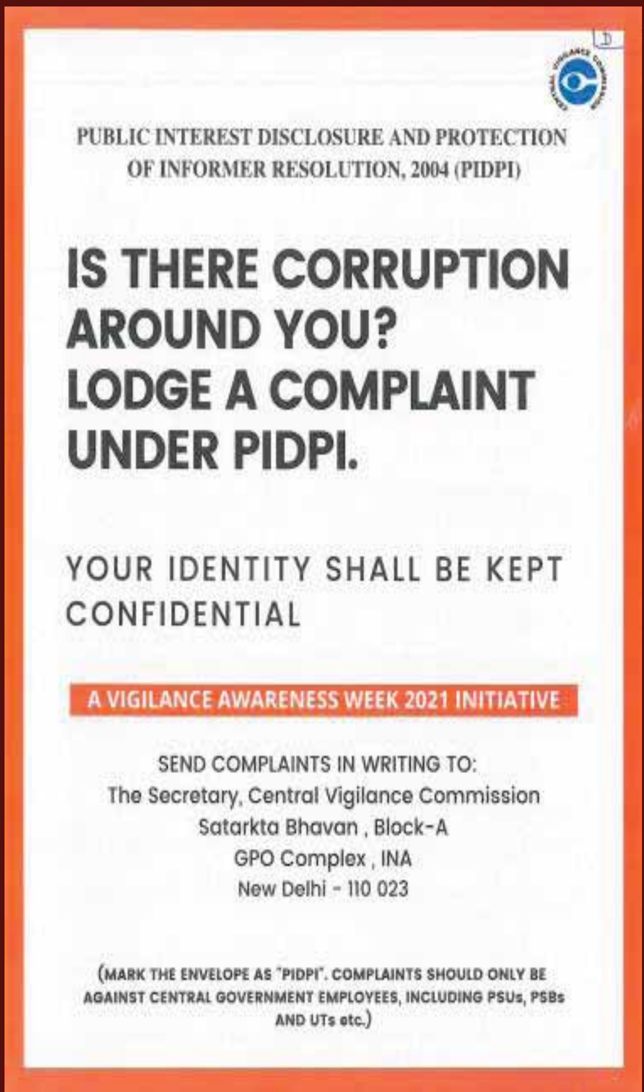
PUBLIC INTEREST DISCLOSURE AND PROTECTION OF INFORMER RESOLUTION, 2004 (PIDPI)
IS THERE CORRUPTION AROUND YOU? LODGE A COMPLAINT UNDER PIDPI.
YOUR IDENTITY SHALL BE KEPT CONFIDENTIAL
A VIGILANCE AWARENESS WEEK 2021 INITIATIVE
SEND COMPLAINTS IN WRITING TO:
The Secretary, Central Vigilance Commission
Satarkta Bhavan , Block-A
GPO Complex , INA
New Delhi - 110 023
(MARK THE ENVELOPE AS "PIDPI". COMPLAINTS SHOULD ONLY BE AGAINST CENTRAL GOVERNMENT EMPLOYEES, INCLUDING PSUs, PSBs AND UTs etc.)

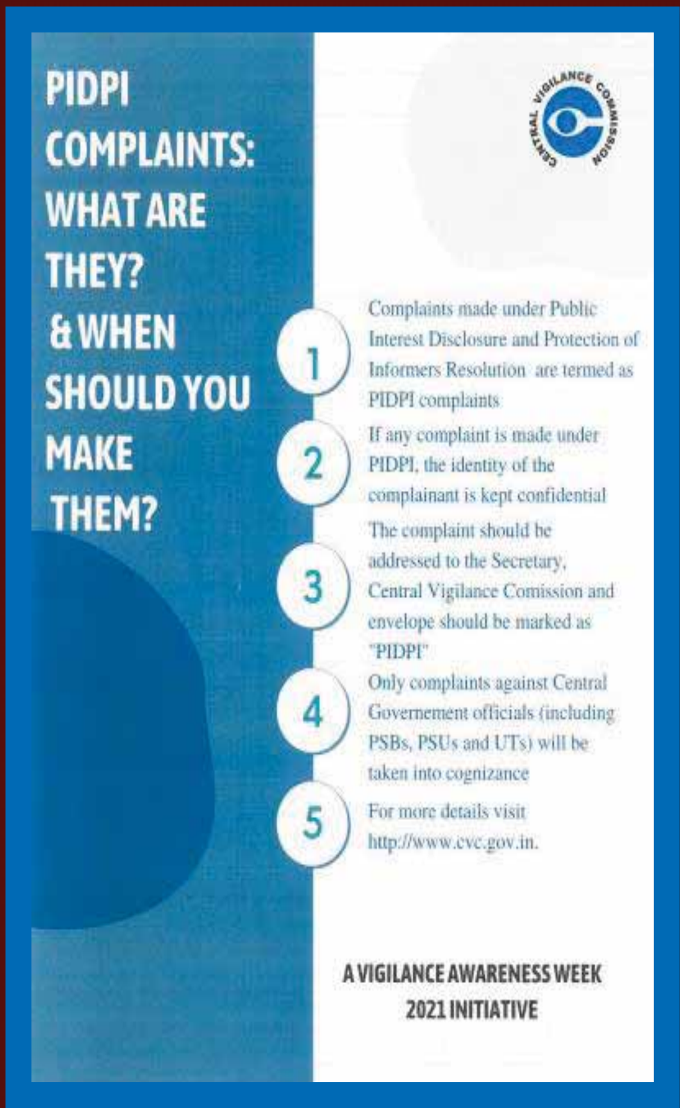
PIDPI COMPLAINTS: WHAT ARE THEY? & WHEN SHOULD YOU MAKE THEM?
1 Complaints made under Public Interest Disclosure and Protection of Informers Resolution are termed as PIDPI complaints
2 If any complaint is made under PIDPI, the identity of the complainant is kept confidential
3 The complaint should be addressed to the Secretary, Central Vigilance Comission and envelope should be marked as "PIDPI"
4 Only complaints against Central Governement officials (including PSBs, PSUs and UTs) will be taken into cognizance
5 For more details visit http://www.cvc.gov.in.
A VIGILANCE AWARENESS WEEK 2021 INITIATIVE

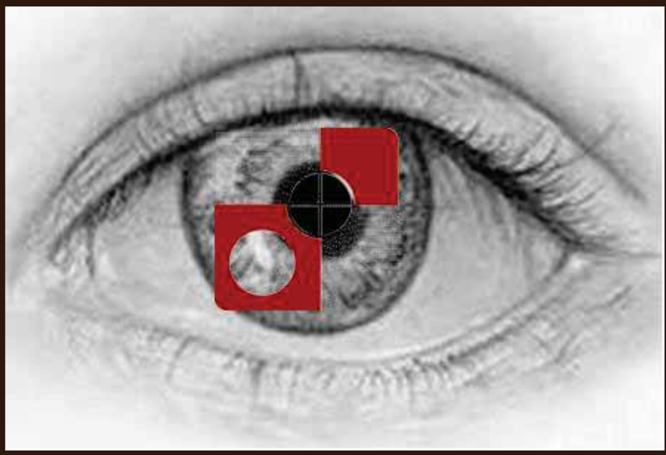

VIGILANCE DEPARTMENT OF SPMCIL
WITH YOU, FOR YOU ALWAYS!

SECURITY PRINTING AND MINTING CORPORATION OF INDIA LTD.
MINIRATNA CATEGORY – 1, CPSE
WHOLLY OWNED BY GOVT. OF INDIA
16TH FLOOR, JAWAHAR VYAPAR BHAWAN, JANPATH,
NEW DELHI – 110001
WEBSITE: WWW.SPMCIL.COM
PH: 011-43582201, FAX: 011-43582202

VIGILANCE OFFICIALS

CORPORATE OFFICE 16TH FLOOR, JAWAHAR VYAPAR BHAWAN, JANPATH, NEW DELHI – 110001. PH: 011-43582260	SECURITY PAPER MILL HOSHANGABAD-461005(MP) PH: 07574-279911
INDIA SECURITY PRESS NASHIK ROAD, MAHARASHTRA-422101 PH: 0253-2402393	INDIA GOVERNMENT MINT ALIPORE, KOLKATA-700053 PH: 033-24015246
CURRENCY NOTE PRESS NASHIK ROAD, MAHARASHTRA-422101 PH: 0253-2469689	INDIA GOVERNMENT MINT SHAHID BHAGAT SINGH ROAD, FORT, MUMBAI-400023 PH: 022-22664302
BANK NOTE PRESS DEWAS-455001 (MP) PH: 07272-255566	INDIA GOVERNMENT MINT CHERAPALLY, HYDERABAD-500051 PH: 040-27260236
SECURITY PRINTING PRESS SAIFABAD, HYDERABAD-500063 (AP) PH: 040-23253629	INDIA GOVERNMENT MINT D-2, SECTOR-1, NOIDA-201301 (UP) PH: 09971628964